

एक नजर



पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धांजलि, बताया कुशल प्रशासक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की 105वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको श्रद्धांजलि दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की तरकी में उनके योगदान को याद किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। पीएम मोदी ने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव को उनके नेतृत्व और बौद्धिक कौशल के लिए सदैव स्मरण किया जाता है और यह हमारी सरकार के लिए गौरव का विषय है कि हमने राष्ट्र के प्रति उनके समृद्ध योगदान को मान्यता देते हुए इस वर्ष के आरंभ में पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित किया।



9,228 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात, जेवर अब 'मंगलराज' का प्रतीक: सीएम योगी

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को ग्रेटर नोएडा पहुंचे, जहां उन्होंने यमुना सिटी और नोएडा क्षेत्र की कुल 9,228 करोड़ रुपये की औद्योगिक एवं विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

इस दौरान उन्होंने यमुना सिटी के सेक्टर-10 स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) में 6,750 करोड़ रुपये के निवेश वाली तीन प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इन परियोजनाओं में एम्बर ग्रुप और दक्षिण कोरिया की एक कंपनी के संयुक्त उपक्रम सहित कई बड़े निवेश शामिल हैं।



सिया-चेतन के सामने केतन मर्डर का सीन रीक्रिएट किया

पुलिस दोनों को लोहाड़ किले ले गई, दीवार से डमी गिराकर देखा पुणे। पुणे मर्डर केस में पुलिस ने रविवार को केतन को लोहाड़ किले से गिराने का सीन रीक्रिएट किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए पुलिस सुबह 6.30 बजे दोनों आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को लोहाड़ किले लेकर पहुंची। टीम करीब 2.30 घंटे किले पर रही। डीएसपी गजानन टोपे ने कहा आज सुबह हम सिया गोयल को घटनास्थल पर लेकर आए। उसके बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम का सीन रीक्रिएशन किया। इसके लिए केतन के समान वजन का एक डमी तैयार किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा

भारत समुद्र से आकाश तक सुरक्षित

देश में 40 से ज्यादा C-295 विमान बनाए जा रहे, योग में भारत ने 114 पदक जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्लरूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए ए-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के कई कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित विश्व योगासन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन

करते हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है। शादी के लिए सोना रीसाइकल कर रहे लोग पीएम मोदी ने कहा कि मैंने बोते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूँ कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं। कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे। जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रीसाइकल करेंगे। कई लोगों ने कार पूलिंग के अनुभव भी साझा किए हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि हम भारतीय इस संकट से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं।



मुख्यमंत्री निवास पर सिविल सेवा परीक्षा एवं भारतीय वन सेवा परीक्षा-2025 में चयनित प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 135वें संस्करण को सुना।



दिया कुमारी ने मन की बात कार्यक्रम सुना सिविल लाइंस में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें संस्करण को कार्यक्रमकर्ताओं एवं आमजन के साथ लाइव सुना।

यूसीएफ से राजस्थान के शहरों को मिलेगी नई उड़ान

बढ़ते शहरीकरण में चार गुनी गति से सुविधाओं का विकास प्राथमिकता:झाबर सिंह खर्वा



जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप नागरिक सुविधाओं का विस्तार अब नई गति से होगा। केंद्र सरकार द्वारा गठित अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) के माध्यम से राजस्थान के शहरी स्थानीय निकायों में आगामी पाँच वर्षों में लगभग ₹.15,800 करोड़ की लागत से सड़क, सिवरेज, ड्रेनेज, ठोस कचरा प्रबंधन, स्ट्रीट लाइट, सौंदर्यीकरण एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का समावेशी विकास किया जाएगा। रविवार को



कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, जयपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य शासन एवं नगरीय विकास मंत्री श्री झाबर सिंह खर्वा ने कहा कि तेजी से

बढ़ते शहरीकरण के कारण आधारभूत सुविधाओं की मांग निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शहरी अवसंरचना का विकास चार गुना गति से करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) के तहत हुडको के सहयोग से परियोजनाओं का निर्माण, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर समयबद्ध तरीके से विकास कार्य का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।



मुख्यमंत्री ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया

मुख्यमंत्री निवास पर राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस के अवसर पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही इस अभियान के पोस्टर का विमोचन भी किया।



मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

बोले- हिंद महासागर को अवसरों का महासागर बनाएं; विकटोरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 34 देशों के सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुके हैं।

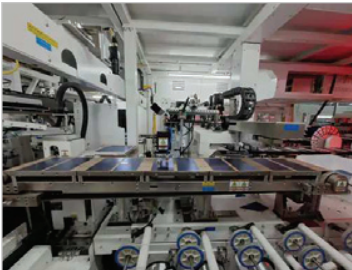
सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की

नई दिल्ली(एजेंसी)। लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। NEET पेपर लीक और CBSE की गड़बड़ियों

के विरोध में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 9वां दिन है। CJP पिछले 20 जून से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मंद प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है।



से है, जिनमें इस्तेमाल होने वाले सोलर सेल भारत में बने हों। वहीं नॉन-डीसीआर पैनेलों में दूसरे देश से मंगाए गए सोलर सेल लगाए जाते हैं। केंद्र सरकार का उद्देश्य देश में सोलर सेल निर्माण को बढ़ावा देना है। इसी दिशा में 1 जून से नॉन-डीसीआर पैनेलों के कमीशनिंग यानी ग्रिड कनेक्शन पर रोक लगा दी गई थी। विरोध के बाद घरेलू पीएम सूर्य घर योजना से जुड़े प्रोजेक्टों के लिए कुछ राहत दी गई, लेकिन कॉर्पोरेट और इंडस्ट्रियल (C&I) रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट में नॉन-डीसीआर पैनेलों की कमीशनिंग पर रोक अभी भी जारी है।



केंद्र सरकार ने घरेलू सोलर सेल निर्माण किया जरूरी डीसीआर (डोमेस्टिक कंटेन रीक्रायमेंट) का मतलब ऐसे सोलर पैनेल

से है, जिनमें इस्तेमाल होने वाले सोलर सेल भारत में बने हों। वहीं नॉन-डीसीआर पैनेलों में दूसरे देश से मंगाए गए सोलर सेल लगाए जाते हैं। केंद्र सरकार का उद्देश्य देश में सोलर सेल निर्माण को बढ़ावा देना है। इसी दिशा में 1 जून से नॉन-डीसीआर पैनेलों के कमीशनिंग यानी ग्रिड कनेक्शन पर रोक लगा दी गई थी। विरोध के बाद घरेलू पीएम सूर्य घर योजना से जुड़े प्रोजेक्टों के लिए कुछ राहत दी गई, लेकिन कॉर्पोरेट और इंडस्ट्रियल (C&I) रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट में नॉन-डीसीआर पैनेलों की कमीशनिंग पर रोक अभी भी जारी है।

एसओजी ने डमी कैडिडेट को किया अरेस्ट

1 लाख रुपये में सौदा कर दी थी एग्जाम, 10 हजार रु. का रखा हुआ था इनाम जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सेकंड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा के फरार डमी कैडिडेट को अरेस्ट किया है। एसओजी की ओर से फरार आरोपी पर 10 हजार रुपये का इनाम रखा हुआ था। उसने एक लाख रुपए में सौदा तय कर मेन कैडिडेट की जगह एग्जाम देकर पास करवाया था।

महिला की मौत

जयपुर में 32 साल की महिला की मौत

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में शनिवार रात एक घर के अंदर महिला की लाश मिलने का मामला सामने आया है। फर्श पर पड़ी महिला की नाक से खून बह रहा था। पति के काम से वापस लौटने पर महिला की मौत का पता चला। शिप्रापथ थाना पुलिस ने श्मश्टी का मकद से सबूत जुटाए। ASI लालाराम ने बताया कि मानसरोवर अग्रवाल फार्म की

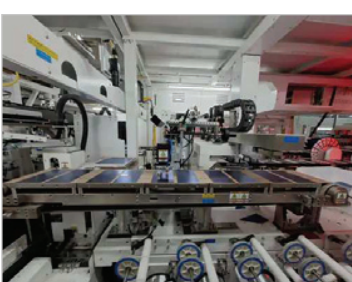
वाली बीना सैनी (32) पत्नी राहुल सैनी की डेड बॉडी मिली है। वह बाइक मिस्त्री का काम करने वाले पति राहुल के साथ किराए पर रहती थी। बीना की 13 साल की बेटी ईशिका और 9 साल का बेटा आदी अपनी दादी के पास सांगानेर रहते हैं। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे राहुल अपने काम पर चला गया। घर में बीना सैनी अकेली ही थी।

सोलर इंडस्ट्री बड़ी चुनौती

घरेलू सोलर पैनेल किया अनिवार्य, सिस्टम 40 हजार तक महंगे

जयपुर(नि.सं.)। देश में सबसे ज्यादा सौर ऊर्जा उत्पादन करने वाला राजस्थान राज्य है, लेकिन फिलहाल यहां की सोलर इंडस्ट्री बड़ी चुनौती का सामना कर रही है। केंद्र सरकार ने डोमेस्टिक कंटेन रीक्रायमेंट (डीसीआर) वाले सोलर पैनेल की अनिवार्यता कर दी है। इससे घरेलू सोलर सेल की सीमित उपलब्धता के कारण प्रदेश में रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट प्रभावित हो रहे हैं। इसका असर प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के लाभार्थियों से लेकर उद्योगों और सोलर कारोबार से जुड़े हजारों लोगों पर पड़ रहा है। इसका असर घरेलू और औद्योगिक दोनों

तरह के सोलर प्रोजेक्ट की लागत पर पड़ रहा है। वहीं डीसीआर पैनेलों की कीमत नॉन-डीसीआर पैनेल से दोगुनी है। इससे 3 किलोवाट के घरेलू सोलर सिस्टम लगाने की लागत 35 से 40 हजार रुपये तक बढ़ गई है। जयपुर सहित कई शहरों में घरों पर स्ट्रक्चर तैयार होने के बावजूद पैनेल नहीं लग पा रहे हैं। दूसरी ओर हजारों प्रोजेक्ट अर्धर में लटक गए हैं। वैंडर और ग्राहकों के बीच विवाद बढ़ रहे हैं। उद्योग से जुड़े लोगों ने कहा- यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो बड़ी संख्या में कारोबार और रोजगार प्रभावित होंगे।



केंद्र सरकार ने घरेलू सोलर सेल निर्माण किया जरूरी डीसीआर (डोमेस्टिक कंटेन रीक्रायमेंट) का मतलब ऐसे सोलर पैनेल

पैनेलों की कमी से हजारों प्रोजेक्ट रुके; एसोसिएशन ने कहा- नौकरियां जाने का खतरा

घरेलू सोलर पैनेल किया अनिवार्य, सिस्टम 40 हजार तक महंगे

से है, जिनमें इस्तेमाल होने वाले सोलर सेल भारत में बने हों। वहीं नॉन-डीसीआर पैनेलों में दूसरे देश से मंगाए गए सोलर सेल लगाए जाते हैं। केंद्र सरकार का उद्देश्य देश में सोलर सेल निर्माण को बढ़ावा देना है। इसी दिशा में 1 जून से नॉन-डीसीआर पैनेलों के कमीशनिंग यानी ग्रिड कनेक्शन पर रोक लगा दी गई थी। विरोध के बाद घरेलू पीएम सूर्य घर योजना से जुड़े प्रोजेक्टों के लिए कुछ राहत दी गई, लेकिन कॉर्पोरेट और इंडस्ट्रियल (C&I) रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट में नॉन-डीसीआर पैनेलों की कमीशनिंग पर रोक अभी भी जारी है।

‘मुसलमानों को सड़क पर उतार दूंगा’, सुर्वेदु सरकार पर भड़के हुमायूं कबीर; जानें किसे देख लेने की दी धमकी

आवाज़ ए तसनीम

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद सीएम सुर्वेदु अधिकारी एक्शन मोड में हैं. यूपी मॉडल के तहत बुलडोजर एक्शन जारी है. इस बीच मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने वाले हुमायूं कबीर ने सीएम सुर्वेदु को धमकी दी है और सड़क पर लाखों मुसलमानों को उतारने की चेतावनी दी है. AJUP के प्रेसिडेंट और विधायक हुमायूं कबीर ने कहा, 'जिस दिन मैं मुसलमानों के साथ सड़कों पर उतरूंगा, उस दिन मैं तुम्हें इतनी बुरी तरह पीटूंगा कि तुम्हारा झंडा उठाने वाला एक भी आदमी नहीं बचेगा. मैं एक लाख लोगों को सड़कों पर उतारूंगा; मैं तुम्हें पीटूंगा और जेल चला जाऊंगा. तुम मुझे कब तक जेल



में रखोगे? मुझे कितना खिलाओगे?' दरअसल, हुमायूं कबीर पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद पहली बार मुर्शिदाबाद में एक रैली को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की और मंच से ऐलान किया कि कोई भी उनकी पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता पर हाथ उठाने की हिममत न करे. इतना ही नहीं, हुमायूं कबीर ने स्क

को भी देख लेने की भी धमकी दी. रैली के दौरान हुमायूं कबीर ने कहा, 'मैं साफ-साफ कह देता हूं, जिस दिन हद पार हो जाएगी और मेरा आपा खो जाएगा, तो मैं न तो SP या CM की परवाह करूंगा और न ही किसी के ओहदे का लिहाज करूंगा. मैं खुद मुसलमानों की अगुवाई करूंगा और सड़कों पर

चुनाव से पहले दे चुके हैं विवादित बयान

गौरतलब है कि बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद NRC और UCC की तैयारियां जोरों पर हैं. ऐसे में मुसलमानों के बीच डर का माहौल है. हुमायूं कबीर इस माहौल का फायदा उठाना चाहते हैं. यही वजह है कि विधायक कबीर भड़काऊ भाषण देकर मुस्लिम वोट हासिल करना चाहते हैं. इससे पहले भी हुमायूं कबीर भड़काऊ बयान दे चुके हैं. बंगाल चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर विधायक हुमायूं कबीर का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने दावा किया कि बीजेपी ने उन्हें 1,00,00 करोड़ दिए थे और वोट बैंक में संघ लगाने की योजना की

SIR के डर में पहले दस्तावेजों पर खर्च किए लाखों, फिर बांग्लादेश भेजे जाने के डर से रहमान ने कर ली आत्महत्या

आवाज़ ए तसनीम

बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और गुजरात समेत कई राज्यों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है. चुनाव आयोग इसी क्रम में अब तेलंगाना समेत दूसरे राज्यों स्कूट प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रही है. इसको लेकर बीते दिनों कथित तौर पर दहशत की वजह से कुछ लोगों ने आत्महत्या कर लिया. यही वजह है कि विपक्षी दल लगातार विरोध कर रहे हैं, और इस पर सवाल खड़े कर रहे हैं. तेलंगाना में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की लेकर फैली चिंता के बीच हैदराबाद से एक दर्दनाक घटना सामने आई है. हैदराबाद में गाड़ी चलाकर परिवार का गुजारा करने वाले 40 साल के शेख मुज्जिल रहमान ने इस्वार (28 जून) की तड़के कथित तौर पर आत्महत्या



कर ली. परिवजनों का कहना है कि वह पिछले करीब एक महीने से वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया को लेकर गहरे तनाव में थे. उनका दावा है कि इसी मानसिक दबाव की वजह से शेख मुज्जिल रहमान ने यह खोफनाक कदम उठाया. मृतक की पहचान बोराबांडा इलाके के रहने वाले शेख मुज्जिल रहमान को ली गई है. उनके परिवार में 40 साल के शेख मुज्जिल रहमान ने इस्वार (28 जून) की तड़के कथित तौर पर आत्महत्या

से दो मानसिक रूप से दिव्यांग हैं. उन्होंने कहा कि उनके शौहर को सबसे अधिक चिंता अपने परिवार के भविष्य की थी. बीबी के मुताबिक, उन्हें डर था कि अगर उनका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया तो उन्हें बांग्लादेश भेज दिया जाएगा. वह बार-बार यही सोचते थे कि अगर ऐसा हुआ तो उनके दोनों बेटों की देखभाल कौन करेगा? यही चिंता उनके मन पर

धार्मिक पहचान के आधार पर ट्रेन में मुस्लिम यात्री पर जनरल डब्बे में जानलेवा हमला!



आवाज़ ए तसनीम

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में एक ट्रेन में धार्मिक पहचान के आधार पर एक दाढ़ी-टोपी वाले मुस्लिम यात्री के साथ मारपीट कर जालेवा हमला करने का मामला सामने आया है. पीड़ित यात्री को बेहोशी की हालत में ट्रेन से उतार कर रेलवे और जीआरपी के जवानों ने उसे अस्पताल पहुंचाया. इस केस में पुलिस ने पीड़ित का बयान तो दर्ज कर लिया है, लेकिन उनका रवैया बेहद उदासीन रहा है.

पीड़ित शख्स मोहम्मद मजहर हुसैन ने बताया कि 24 जुलाई को वो बिहार के भागलपुर से उत्तर प्रदेश के आंबेडकर के अकबरपुर स्थित कछौछा शरीफ मजार पर जियारत के लिए आये थे. 26 जून को उन्होंने वापसी के लिए वाराणसी से आसनसोल मेमू एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ी थी. उन्होंने जेनरल डब्बे का टिकट लिया था और उसमें बैठ गए थे. मजहर हुसैन का आरोप है कि सुबह 4.15 बजे जो ट्रेन के वाश बेरिस के पास अपना मुँह धो रहे थे. उस वक़्त ट्रेन मुगलसराय के किसी हाल्ट पर खड़ी थी, और जेनरल कोच का दरवाजा खुला था.

इसी वक़्त ट्रेन में 4-5 की तादाद में कुछ लड़के 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए चढ़े और उन्होंने मजहर हुसैन पर हमला कर दिया. अपने बचाव में मजहर हुसैन ने भी उन लड़कों के साथ मारपीट की. लेकिन उन चार लोगों के सामने जल्द ही मजहर हुसैन उठ्ठे पड़ गए और इसी बीच उनमें से एक लड़के ने मजहर हुसैन के सर पर किसी भारी वस्तु से वार कर दिया. पीड़ित के मुताबिक, वो चीज कोई पत्थर हो सकता है. इसके बाद मजहर के सिर में व्लीडिंग होने लगी और वो वहीं, बेहोश होकर गिर गए. जिस वक़्त ये हमला हुआ उस वक़्त जेनरल डब्बे में बमुश्किल 5-6 मुसाफिर सफ़र कर रहे थे.

मजहर हुसैन ने बताया कि जब उन्हें होश आया था, उन्होंने खुद को एक सरकारी अस्पताल में पाया. उन्हें रेलवे के कर्मचारी और पुलिस वालों ने अस्पताल पहुंचाया था. होश आने के बाद इस मामले में मजहर से

बीफ पकाने के शक में पुलिस ने तीन मुस्लिम महिला को किया गिरफ्तार, जानें पूरा मामला

आवाज़ ए तसनीम



उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में पुलिस ने 24 जून को एक घर में छपा मारकर तीन मुस्लिम महिलाओं को बीफ पकाने के शक में गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तारी के बाद कौशाम्बी पुलिस ने एक बयान जारी किया. पुलिस ने कहा, 'पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बीफ लाए हैं और उसे पका रहे हैं, जिसके बाद उन्होंने कार्रवाई की.' ये गिरफ्तारियां पनारा गोपालपुर गांव में हुईं, जो सराय अकिल पुलिस स्टेशन के अधिकांश क्षेत्र में आता है. कौशांबी पुलिस ने कहा, 'घर के भीतर तीन महिलाएं मिलीं जिनके पास एक बर्तन में पका हुआ मीट और एक ट्रांसपेरेंट बैग में कच्चा बीफ था. हालांकि महिलाओं ने भागने की कोशिश की, लेकिन महिला अधिकारियों ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया.' पुलिस ने दावा किया कि तीनों महिलाओं की पहचान शमा परवीन, शाइस्ता और फातिमा के तौर पर हुई है, उन्होंने अपने घर पर बीफ पकाने की बात मानी. कड़ी पूछताछ के बाद उन्होंने बताया कि परिवार के लोग इसे बाहर से लाए थे, जिसका आधा हिस्सा उन्होंने अगले दिन पकाने का प्लान बनाया था.

कौशांबी के छस्वकठने क्या कहा?

कौशांबी के DSP अभिषेक ने कहा, 'जब्त किए गए मांस के सैंपल तस्दीक के लिए लैब भेजे गए हैं. लैब की पुष्टि से ज्यादा, महिलाओं को खुद यकीन था कि यह बीफ है और अगर यह बीफ नहीं होता, तो पुरुषों के भागने का कोई कारण नहीं होता.' वहीं, अधिकारियों ने उनके कब्जे से एक किलो कच्चा और एक किलो पका हुआ बीफ जब्त किया. महिलाओं के खिलाफ क्र के काउ स्लॉटर प्रिवेंशन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया.

जहरीले कैप्सूल मामले में बड़ा खुलासा, मुस्लिम महिलाओं की जागरूकता बनी आरोपी की गिरफ्तारी की वजह

आवाज़ ए तसनीम

मुंबई के डोंगरी में यौम-ए-आशूरा के मौके पर जहरीले कैप्सूल बांटने के आरोप में गिरफ्तार किए गए EX-Muslim फैयाज प्रेमजी को लेकर बड़े-बड़े खुलासे हो रहे हैं. वहीं, आरोपी फैयाज प्रेमजी को लेकर यह जानकारी सामने आई है कि कैसे स्थानीय महिलाओं की सतर्कता ने EX-Muslim फैयाज प्रेमजी की साजिश को नाकामयाब बना दिया और आरोपी की गिरफ्तारी में उनकी सतर्कता अहम साबित हुई. स्थानीय महिला अहलाम ने बताया कि आरोपी कैप्सूल को लोगों की ओर फेंक रहा था, जिससे उन्हें शक हुआ क्योंकि नियाज़ का सामान हमेशा सम्मानपूर्वक हाथों से दिया जाता है, फेंककर नहीं.

वहीं, मेहदी हसन ने कहा कि आरोपी का इस्लाम से कोई संबंध नहीं है. उन्होंने बताया कि आरोपी फैयाज प्रेमजी ने पहले एक वीडियो जारी कर दावा किया था कि वह इस्लाम धर्म छोड़ चुका है. महिलाओं की सतर्कता और समय रहते दी गई सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है. बता दें कि जुलूस में EX-Muslim फैयाज प्रेमजी बहस-मुबहिसा होता, तो समझ में आ सकता था, लेकिन बिना किसी बात के सिर्फ हुलिया देखकर हमला होना बेहद चिंताजनक हालात की तरफ इशारा कर रहे हैं. पीड़ित के मुताबिक, पुलिस इस मामले को लीपापोती करने की कोशिश कर रही है. पुलिस का कोई आधिकारिक बयान भी अभी तक सामने नहीं आया है. ये घटना रेलवे की सुरक्षा-व्यवस्था की भी पोल खोल रहा है कि आखिर ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्री कितने सुरक्षित हैं? क्या कभी भी किसी को भी उसकी धार्मिक पहचान की वजह से निशाना बनाया जाएगा? उत्तर प्रदेश इस मामले में बेहद संवेदनशील राज्य बनता जा रहा है. पिछले 27 अप्रैल को बिहार के किशनगंज के एक मौलाना तौसिफ रजा की ट्रेन से धक्का देकर हत्या कर दी गई थी. तौसिफ को विवाद के बाद ट्रेन से फेंका गया था. तौसीफ रजा बिहार के किशनगंज ज़िले के पाटमारी थाना इलाके के बाखोटेली गांव के रहने वाले थे और एक मदरसे में पढ़ाते थे. घटना के दिन वो बरेली में आयोजित एक उर्स में हिस्सा लेकर घर लौट रहे थे. 26 अप्रैल को उन्होंने 04314 योगनगरी ऋषिकेश-मुजफ्फरपुर स्पेशल ट्रेन पकड़ी थी, लेकिन दो दिन बाद बरेली कैंट थाना के पालपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास को रेलवे ट्रैक पर उनकी लाश पाई गई थी. इस मामले में दो माह बाद पुलिस ने पंकज राजपूत नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया था, जबकि अन्य लोग फरार बताये जा रहे हैं.

ये कोई एकलौता मामला नहीं है, इससे पहले भी मुस्लिम नौजवान, बुजुर्ग और यहाँ तक कि महिल मुस्लिम यात्रियों को भी ट्रेन में निशाना बनाया जा चुका है, लेकिन रेलवे इन हमलों पर मौन है. महाराष्ट्र के सोलापुर में मुस्लिम समुदाय ने बारिश के लिए सामूहिक दुआ की. नम आंखों से अल्लह से बारिश की दुआ की. जून का महीना खत्म होने के बावजूद महाराष्ट्र के सोलापुर समेत राज्य के कई जिलों में अभी तक पर्याप्त बारिश नहीं हुई है. बढ़ती गर्मी से लोग परेशान हैं और बारिश न होने से किसान परेशान हैं. पानी के भंडार तेजी से कम हो रहे हैं और जानवरों के पीने के पानी की समस्या भी गंभीर होती जा रही है. ऐसे में, सोलापुर में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अल्लह से बारिश की दुआ की और बारिश के लिए एक ख़ास दुआ की, जिसे 'सलातुल इस्तिस्का' कहते हैं. सोलापुर के रंग भवन में अहले हदीस इंदगाह में 'सलातुल इस्तिस्का', यानी बारिश के लिए एक ख़ास दुआ की गई. मौलाना ताहिर बेग मोहम्मदी की लीडरशिप में सामूहिक दुआ की गई. दुआ के बाद, मौजूद सभी लोगों ने अल्लह से बारिश के लिए दुआ की. इस समय, छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, कई लोगों की आंखों में आंसू आ गए. हाथ ऊपर उठाकर, भरी आंखों और भारी आवाज़ में उन्होंने अल्लह से रहमत के रूप में बारिश की दुआ की.

इतनी बारिश हो कि कुएँ और डैम भर जाएँ, मुस्लिम समुदाय ने की दुआ

रीवा में कथित गोमांस मामले पर बवाल, मुस्कान और साबरा गिरफ्तार; जानिए पूरा मामला

आवाज़ ए तसनीम

मध्य प्रदेश के रीवा में दो मुस्लिम युवतियों को कथित गोमांस पकाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोप है कि मुस्कान खान और साबरा खान नाम की दो युवतियां कथित गोमांस लेकर जा रही थीं. इसी दौरान बजरंग दल के एक कार्यकर्ता ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो दोनों युवतियों ने बजरंग दल के कार्यकर्ता पर पत्थर से हमला कर मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे. वहीं, दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग यह सवाल खड़े कर रहे हैं कि भारत से विदेशों में गोमांस की निर्यात बढ़ा है, लेकिन पुलिस मुस्लिम महिलाओं पर कार्रवाई कर रही है, क्योंकि उन पर गोमांस ले जाने का आरोप है.

यह मामला रीवा के समान थाना क्षेत्र के लोही नहर के पास का है. यहां रविवार (28 जून) को कथित गोमांस मिलने की सूचना पर हंगामा हो गया. आरोप है कि मुस्कान खान और साबरा खाना नाम की दो युवतियां कथित गोमांस लेकर जा रही थीं. इसी दौरान बजरंग दल के एक कार्यकर्ता ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो दोनों युवतियां ने बजरंग दल के कार्यकर्ता पर पत्थर



प्रेमजी को गिरफ्तार कर लिया और 14900 कैप्सूल जब्त किए.

15 दिनों में तैयार किए 14900 जहरीले कैप्सूल; निशाने पर थे हजारों लोग

फैयाज प्रेमजी ने 15 दिन पहले डोंगरी में किए गए का घर लिया था और वह 50 किलो जिंक फास्फाइड मंगाकर जहरीले कैप्सूल तैयार कर रहा था, ताकि वह जुसूल में लोगों को मार सके. उसके निशाने पर मुह्रम का जुलूस था. उसने

15 दिनों में 14900 कैप्सूल तैयार किए थे. साथ ही सोशल मीडिया पर लोगों ने सबूत साझा करना शुरू कर दिया है, जिसमें दिख रहा है कि वह ऐसे यूट्यूब चैनलों पर गेस्ट के रूप में मौजूद हैं, जहां इस्लाम के खिलाफ बातें प्रसारित की जाती हैं. आरोपी फैयाज प्रेमजी खुद उन चैनलों पर इस्लाम के खिलाफ विवादित बातें कही थीं. साथ ही शिया और सुन्नी समुदायों के बीच तफरके को बढ़ाने वाली बातों पर जोर दिया है।

बारिश की आस में झुके सिर, किसानों और प्यासे खेतों के लिए मुस्लिम समुदाय ने की दुआ

आवाज़ ए तसनीम



इस समय, मौलाना ताहिर बेग मोहम्मदी ने खुता दिया और सबने मिलकर दुआ की कि देश में कहीं भी सूखे जैसे हालात न हों, किसानों के खेतों में खूब बारिश हो, जानवरों को चारा और पानी मिले, झीलों, कुएँ और डैम भर जाएँ और पूरी दुनिया पर अल्लह की मेहरबानी हो. इस मौके पर सोलापुर शहर के मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी श्रद्धा से मौजूद थे.

हर साल बड़ी तादात में किसानों और खेतिहर मजदूर करते हैं आलाहत्या?

गौरतलब है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से पर्यावरण और मौसम के चक्र में खतरनाक बदलाव देखने को मिल रहे हैं. ज्यादा सर्दी, बेमौसम बारिश, बाढ़, किसी साल बारिश का बिल्कुल न होना, ज्यादा गर्मी ये सभी ग्लोबल वार्मिंग की खतरनाक पहचान है. महाराष्ट्र में हर साल बारिश न होने और सूखा पड़ने की वजह से फसलों को नुकसान पहुंचने पर बड़ी तादाद में किसान आत्महत्या करते हैं. महाराष्ट्र में साल 2023 में 6,669 किसानों और खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की.

नाजिया इलाही के बयान पर देशभर में बवाल, गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग



आवाज़ ए तसनीम

सोशल मीडिया एक्टिविस्ट नाजिया इलाही ने पैगंबर मुहम्मद की बीबी हजरत आयशा के बारे में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया. इस बयान से पूरे देश में हंगामा मच गया है. नाजिया इलाही के खिलाफ देश भर में मामले दर्ज किए गए हैं और पुलिस से उसकी गिरफ्तारी की मांग की जा रही है. जमीयत उलेमा-ए-हिंद समेत कई मुस्लिम संगठनों ने देश भर में विरोध प्रदर्शन किए हैं. वहीं, राजस्थान में भी नाजिया इलाही की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. हजारों मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नाजिया इलाही के खिलाफ जोरदार नारे लगाए और उनकी गिरफ्तारी की मांग की. अजमेर के गंज पुलिस स्टेशन पर मुसलमानों की एक बड़ी भीड़ जमा हुई और उन्होंने अपना गुस्सा और नाराजगी जाहिर की. मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों ने नाजिया इलाही खान के खिलाफ सख्कदरज कराई और पुलिस विभाग से मांग की कि उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए. मुस्लिम समुदाय का आरोप है कि सोशल मीडिया इम्फ्लुएंसर और एक्टिविस्ट नाजिया इलाही खान ने पैगंबर साहब के खिलाफ इशंदिदा की है, जिससे लाखों लोगों की भावनाएं और आस्था आहत हुई हैं.

उठ रही है गिरफ्तारी की मांग

उन्होंने जोर देकर कहा, 'दुनिया के लिए रहमत' (पैगंबर साहब) के ऊंचे दर्जे का अपमान बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. समुदाय ने देखा है कि लोग सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए पैगंबर साहब के खिलाफ इशंदिदा कर रहे हैं. उन्होंने भारत सरकार से मांग की कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और धार्मिक हस्तियों का अपमान करने से रोकने के लिए कोई कानून बनाया जाए. अजमेर के मुसलमानों ने कहा कि अगर नाजिया इलाही खान के खिलाफ फौरन और सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो वे विरोध रैलियां और प्रदर्शन करेंगे. फिलहाल, पुलिस ने समुदाय को भरोसा दिलाया है कि नाजिया इलाही खान के खिलाफ जल्द ही कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी.

नाजिया इलाही पहले भी देती रही हैं विवादित बयान

गौरतलब है कि नाजिया इलाही का विवादित बयान देने का पुराना इतिहास रहा है. उन्होंने पहले भी कई मौकों पर इस्लाम के खिलाफ बातें कही हैं और अक्सर मुसलमानों के खिलाफ जहर उगला है. हालांकि उनके खिलाफ अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन अब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है.

राम चवतूरे पर इफ्तार को लेकर बवाल, मोहर्रम जुलूस के बीच बाराबंकी में बढ़ा तनाव



आवाज़ ए तसनीम

देश और दुनिया भर में 26 जून को मोहर्रम के जुलूस निकाले गए. इस दौरान कई जगहों से हंगामे की खबरें सामने आईं. उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में मोहर्रम के जुलूस के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग इफ्तार के लिए एक रामलीला मैदान में रके. लेकिन रामलीला समिति के पदाधिकारियों और अन्य ग्रामीणों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई, जिससे कुछ समय के लिए वहां तनावपूर्ण स्थिति बन गई.

घटना की सूचना मिलते ही सफदरजंग पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी फौरन मौके पर पहुंचे. अधिकारियों ने दोनों पक्षों से शांतिपूर्ण बातचीत करके स्थिति को नियंत्रण में किया और किसी भी अग्रिय घटना को होने से रोका. जरूरी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि मुहर्रम का जुलूस नियमों के अनुसार आगे बढ़े. ग्रामीणों और रामलीला समिति के सदस्यों का कहना था कि 'राम चवतूरा' धार्मिक महत्व की जगह है, जहां बरसों से धार्मिक कार्यक्रम होते रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि वहां इफ्तार का आयोजन करने की कोशिश एक नई परंपरा शुरू करने का प्रयास था, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता.

अधिकारियों ने क्या कहा?

प्रशासनिक अधिकारियों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की है. अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सभी तथ्यों के आधार पर जरूरी कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल, गांव में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है. प्रशासन के मुताबिक, स्थिति नियंत्रण में है. हालांकि, अफवाहों को फैलाने या तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए इलाके में एहतियातन सतर्कता बरती जा रही है.

सभी जिलों के स्कूकों दिए गए थे ये आदेश

गौरतलब है कि प्रशासन मुहर्रम के जुलूसों के दौरान किसी भी अग्रिय घटना को रोकने के लिए पहले से ही पूरी तरह सतर्क था. उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में स्कू और छरूको निर्देश दिए गए थे कि वे हर पुलिस स्टेशन में मुहर्रम को लेकर शरूकी बैठकें करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई चूक न हो, ताकि सभी लोग शांतिपूर्वक अपने जुलूस निकाल सकें.

زندگی کی حرمت کا زوال: قتل کو آسان حل بنانے کی المناک حقیقت

● حیدرآباد میں یوٹیوبر کا قتل: خاندانی مخالفت اور محبت کی شادی کی المناک قیمت۔

● نلگنڈہ قتل عام: جائیداد کی ہوس نے ماں، سوتیلے باپ اور بچوں کی جانیں لے لیں۔

● پونے میں منگیتر کا قتل: تین دہائیوں کی دوستی اور رشتوں کی دھوکہ دہی۔

آوازِ نسیم

حالیہ دنوں میں، ملک میں خاندانی قتل و غارتگری کے ایسے پریشان کن واقعات دیکھنے میں آئے ہیں جنہوں نے غمیر کو چھچھو کر رکھ دیا ہے۔ حیدرآباد کے علاقے کولکنڈہ میں ایک نو جوان یوٹیوبر کو اس کی محبت کی شادی کی مخالفت پر اس کے برادر بستی اور اس کے ساتھیوں نے ممبئی طور پر چاقو مار کر قتل کر دیا۔ نلگنڈہ میں، ایک بیٹی اور اس کے شوہر نے جائیداد کے ایک تنازعے میں اپنی ماں، سوتیلے باپ اور ان کے دو بچوں کو راستے سے ہٹانے کے لیے ممبئی طور پر سپاری (کنٹرکٹ) کلرز کی خدمات حاصل کیں اور پونے میں، ایک خاتون اور اس کے بوائے فرینڈ نے ممبئی طور پر اپنے منگیتر کو لوہا گرھ قلعے سے نیچے پھیل کر قتل کرنے کا منصوبہ بنایا اور اس پر عمل کیا جس سے ان خاندانوں کو دھوکا لگا جو کئی دہائیوں سے دوست تھے۔

یہ وقتی جذبات یا عارضی غصے کے الگ تھلک واقعات نہیں ہیں۔ یہ ایک گہرے معاشرتی ہلکاڑے کی عکاسی کرتے ہیں۔ انسانی جان کی قدر و قیمت کے تئیں بڑھتی ہوئی بے بسی، جہاں ذاتی تنازعات کا حل قتل کی شکل میں ایک قابل قبول ”راستہ“ بن چکا ہے۔ قارئین کے لیے، جن کی رہنمائی قرآنی تاکید سے ہوتی ہے کہ **مَنْ قَتَلَ نَفْسًا بِغَيْرِ نَفْسٍ أُوتِيَ قَسَافًا فِي الْأَوْصِيَاءِ قَتَلَهَا قَتْلًا نَافِسًا** جس نے کسی انسان کو خون کے بدلے یا زمین میں فساد پھیلانے کے سوا کسی اور وجہ سے قتل کیا تو کو یا اس نے تمام انسانوں کو قتل کر دیا“ (۵-۳۲)، یہ واقعات فوری غور و فکر کا تقاضا کرتے ہیں۔ ہمارے خاندانوں اور برادریوں میں آخر کیا خرابی پیدا ہو گئی ہے؟

حیدرآباد میں یوٹیوبر کا قتل: پسند کا انکار: شیخ محبوب عرف (چاندی مسعود)، ایک 30 سالہ یوٹیوبر اور ایلیٹیشن کو جمعہ کی نماز کے فوراً بعد ان کے اپنے ہی گھر میں قتل کر دیا گیا۔ انہوں نے خاندانی مخالفت کے باوجود تقریباً دو ہزار سال کی محبت کی شادی کی تھی۔ جوڑے کا ایک بچہ بھی تھا لیکن تناؤ و ترقی پر اصرار، جس کا انجام اس صورت میں ہوا کہ سالوں نے مہذب کو ممبئی طور پر لوہے کے سلاخوں اور بریکر پتھروں سے تھمکر کے قتل کر دیا۔

اس لیے کہ روکا جا سکتا تھا۔ خاندان خلاصہ گفتگو کر سکتے تھے، بیٹی کو ہم آہنگی اور ذمہ داریوں کے بارے میں سمجھا سکتے تھے، یا جب شادی ہو چکی تھی اور بچہ پیدا ہو تھا تو قبولیت اور صلح کا راستہ چن سکتے تھے۔ اس کے برعکس، انا اور ناپندہ بیٹی نے رحم اور حقیقت پر غلبہ پایا۔ رسول اللہ ﷺ نے مشکل خاندانی معاملات میں بھی صبر اور نرمی کی تعلیم دی ہے۔ تشدد کے

ذریعے نتائج حاصل کرنے کی کوشش نہ صرف زندگیوں کو تباہ کرتی ہے بلکہ اس اعتماد کے تانے بانے کو بھی داغیر و پٹی ہے جو خاندانوں کو جوڑے رکھتا ہے۔

کرائے کے قاتلوں کا سپہارا لینے کے بجائے، قانونی حقوق کیوں نہ حاصل کیے جائیں، بڑوں یا قاضیوں کے ذریعے خائنی کیوں نہ کی جائے، یا مصفاہ حصے کو قبول کیوں نہ کیا جائے؟ لالچ نے مجرموں کو اندھا کر دیا کہ وہ ماں، بہن، بھائیوں اور اس کے ناقابل حلال نقصان کو نہ دیکھ سکے۔



جب مادی فائدہ خون کے رشتوں پر حاوی ہو جاتا ہے، تو معاشرہ اپنا اخلاقی رخ خود بخود ہٹا دیتا ہے۔ پونے کا قتل: اعتماد اور عہد کی دھوکہ دہی: پونے میں، سیا نکول اور اس کے بوائے فرینڈ چیتن چوہدری نے ممبئی طور پر ایک کافی شاپ پر کینن گراہل کے قتل کا منصوبہ بنایا۔ انہوں نے یوٹیوب ویڈیوز کے ذریعے لوہا گرھ قلعے کا مطالعہ کیا اور پھر ایک فریگنگ (جہاز کی سیر) کے دوران 25 سالہ تاجو کو 400 فٹ گہری کھائی میں ڈھیل دیا۔ خاندان تین دہائیوں سے قریبی دوست تھے، اور نمبر میں شادی اور ملکی کا منصوبہ طے تھا۔

یہاں بھی متبادل راستے موجود تھے۔ سیما ایمانداری سے شادی سے انکار کر سکتی تھی، دونوں

● چھچھورے ہندوستانی حکمرانوں بتاؤ ہند کی شہریت کا ثبوت کیا ہے؟

● Special Intensive Revision کیلئے مہتر اور مہترانیاں تعینات۔

● سبوتا ج کے اندیشے غلط نہیں۔ عوام کی بیداری ضروری۔ یہ نہ کہنا ہمیں خبر نہ ہوئی۔

● پاسپورٹ کی بنیاد پر الیکشن کارڈ کی تیاری۔

ہندوستان کی ساری کابینہ شہریت کے ثبوت سے محروم ہے تو پھر غیر ملکیوں کو ہم ہمارے ملک کی حکومت کیسے حوالے کر سکتے ہیں۔ کیا وزیراعظم بیاان کے کابینے کا رشتہ شہریت کا کوئی خاص ثبوت رکھتے ہیں اگر نہیں رکھتے ہیں تو ان کو ہندوستان کی عوام پر حکومت کرنے کا حق کیسے ملتا ہے۔ اگر یہ مان لیا جائے کہ ہمارے وزراء ہندوستان کے شہری نہیں ہیں اور ہمارے عوام بھی اس ملک کے باشندے نہیں ہیں تو گویا غیر ہندوستانیوں پر غیر ہندوستانی حکومت



کر رہے ہیں اگر ایسا ہے تو یہ بات یقیناً دنیا کے آٹھویں نمبر پر شامل ہوگی۔ بدنامی کی انتہا تو یہ ہے کہ جو ملک پاسپورٹ جاری کرتا ہے وہ وزارت خارجہ کا حصہ ہے جو یہ کہتا ہے کہ پاسپورٹ صرف بیرونی سفر کی سہولت کے لئے دیا جاتا ہے تو وہیں ملک میں ہندوستانیوں کے لئے چٹاوی نظام چلانے والے الیکشن کمیشن کا یہ کہنا ہے کہ ایس آئی آر کے لئے پاسپورٹ ایک اہم دستاویز ہے۔ اگر حکومت میں خود اس طرح کا انتشار ہے تو سوچئے کہ عام ہندوستانیوں میں کس قدر بے یقینی ہوگی۔ ایس آئی آر کی جار بہ شفقت کے دوران BLO کی کمیٹیوں سے کام کرنے والے ملحد یہ کہتا ہے کہ مہتر اور مہترانیاں الیکشن کے لئے درج کئے جانے والے تفصیلات کی نگرانی کرتے ہیں جبکہ پاسپورٹ، علاقائی پاسپورٹ دفاتر کے ذریعہ جاری کیا جاتا ہے اور جس کی سربراہی انڈین فارن سروس کا عہدیدار کرتا

ہے۔ اس لیے پاسپورٹ ایک اہم سرکاری دستاویز ضرور ہے، مگر بعض قانونی معاملات میں دیگر دستاویزات بھی طلب کی جاسکتی ہیں ضرورت اس بات کی ہے کہ حکومت عوام کے سامنے واضح اور آسان زبان میں رہنمائی اصول پیش کرے تاکہ کسی بھی شہری میں غیر ضروری خوف یا الجھن پیدا نہ ہو۔ اگر مختلف سرکاری دستاویزات کی قانونی حیثیت کے بارے میں مکمل وضاحت فراہم کی جائے تو عوام کا اعتماد مد مضبوط ہوگا۔ جمہوری نظام میں شفافیت، واضح قوانین اور عوامی آگاہی یہ وہ عناصر ہیں جو شہریوں اور حکومت کے درمیان اعتماد کو فروغ دیتے ہیں۔ اس لیے شہریت جیسے حساس معاملے پر ابہام کے بجائے واضح معلومات فراہم کرنا وقت کی اہم ضرورت ہے۔ اگر پاسپورٹ شہریت کا ثبوت نہیں ہے تو یہ کہا جا سکتا ہے کہ

سازشوں کی دھول میں سچائی چھپ نہ پائے گی

ہے۔ آپ کو پتہ ہوگا کہ پاسپورٹ کسی دکان سے خریدی جانے والی شے نہیں ہے بلکہ اس کو حاصل کرنے کے لئے کئی دستاویزات پیش کرنے ہوتے ہیں اور اس کے لئے الیکشن برانچ پولیس کی تحقیقاتی رپورٹ بھی ضروری ہے تب ہی جا کر پاسپورٹ جاری کیا جاتا ہے۔ ایس ایس ایس ایس تنظیم کی سوچ کے مطابق اس طرح کا کام کیا جا رہا ہے تاکہ عوام کو ڈرا اور دھمکا کر رکھا جاسکے اور کسی ایک ہی شخص کی حکومت کو طوالت دی جا سکے یعنی اسے مطلق العنان بنا دیا جائے جیسا کہ ہمارا مودی ہے۔ اگر یہ بات سچ نہیں ہے تو کیا بات ہے کہ اب تک مرکزی سرکار نے یہ نہیں بتایا کہ شہریت کا ثبوت کیا ہے؟ برتھ سرٹیفکیٹ، پاسپورٹ، آدھار کارڈ، راشن کارڈ اور بیبان کارڈ اگر شہریت کا ثبوت نہیں ہے تو پھر کیسے ثابت کیا جائے کہ ہم ہندوستانی شہری ہیں۔ یہ ہندوستان کے 142 کروڑ عوام کی بے عزتی ہے اور بے عزتی دو لوگ کر رہے ہیں جو ہم سے ووٹ کی جھپک مانگ کر حکومت بناتے ہیں۔ اگر آئی ٹندی بات ہونے کے باوجود ہندوستان کی عوام احتجاج نہیں کرتی اور اپنا حق نہیں مانگتی تو یہی کہا جا سکتا ہے کہ ہماری صف بدل گئی ہے۔ ہمیں ایک ایسے ڈاکٹر کی ضرورت ہے جو ہمارے بیچ آئے اور اس گندی سرکار کو اکھاڑ چھینکے تاکہ ملک میں پھیلا ہوا انتشار اور بدنامی جلد سے جملہ ختم کی جا سکے کیونکہ ذہنی طور پر مظلوم ہونا موت سے بدتر ہے۔ ایک مشاعرہ میں کئی شعراء بیٹھے تھے اور ایک شاعر نے گلو گائی کہ

مہترانی سے دل لگاتے ہیں
اور اس کے بعد انہوں نے اپنے ساتھی شعراء سے خواہش کی کہ اس کا مصرعہ ٹائیٹل پیش کیا جائے تو شاید مجاز سے اس طرح کا شعراں محفل میں پیش کیا کہ

مہترانی سے دل لگاتے ہیں
وہ کماتی ہے آپ کھاتے ہیں

میں نے اس محفل کا ذکر اس لئے کیا کہ ہمارا کمنا پن دن بدن بڑھتا ہی جا رہا ہے۔ ووٹ کاٹنے کی سازشیں کرنے سے ملک کی جمہوریت زبردست حد تک کمزور ہو گئی ہے کیونکہ جو کام پڑے لکھے ملازمین سے لیا جانا چاہئے تھا وہ کام جان بوجھ کر ان پڑھ ملازمین سے جس میں سیکلوز سینیٹری و ڈکرس شامل ہیں، لیا جا رہا ہے۔ ایک BLO سے پوچھا گیا کہ تم کس عہدہ پر کام کر رہے ہو تو اس نے گھبراتے ہوئے کہا کہ میں Sweeper ہوں تو اس کے بعد اس سے بھی در یافت کیا گیا کہ اس نے کتنے فارمز Fillup کروائے تو وہ کہہ اٹھا کہ ایک بھی نہیں۔ اس طرح کے عمل سے ایسا لگتا ہے کہ بہت سے شہریوں کو یا تو فام نہیں ملے گا یا پھر اس کا سبوتا ج ہو سکتا ہے۔ بہرحال ہم مایوس نہیں ہیں کیونکہ

سازشوں کی دھول میں سچائی چھپ نہ پائے گی
وقت آئے گا تو ہر تصویر واضح ہو جائے گی
☆☆☆☆☆

اگر چند منتخب اراکین اپنی اصل سیاسی جماعت سے علیحدگی کا اعلان کریں، یا محض عدلی اکثریت کی بنیاد پر خود کو ایک الگ گروہ قرار دیں، یا اس سے بھی آگے بڑھ کر خود کو اصل جماعت کا نمائندہ قرار دیں، جیسا کہ حالیہ واقعات میں دیکھا گیا ہے، تو موجودہ آئینی ڈھانچے اس کے لیے واضح قانونی بنیاد دکھائی نہیں دیتی۔ اصل اصول کو پرہیز گار کر کے دیہاتی سیاست پر پھیل سیکریٹری، حکومت مہاراشٹر (۲۰۲۳) میں واضح کرتے ہوئے قرار دیا کہ ایوان میں پارلیمانی قیادت، چیف ویپ اور قانون ساز جماعت کی شناخت کا ہمیں اصل سیاسی جماعت ہی کرنی ہے، نہ کہ کوئی علیحدہ گروہ۔ احراف اور انضمام: دو مختلف آئینی تقصیرات: حالیہ سیاسی مباحث میں سب سے زیادہ مختلف تشریح دوسرے شیڈول کے پیراگراف چار کے حوالے سے سامنے آئی ہے۔

عام طور پر یہ تاثر دیا جاتا ہے کہ اگر کسی جماعت کے دو دہائی اراکان دوسری جماعت میں شامل ہو جائیں تو وہ خود بخود نااہلی سے محفوظ ہو جاتے ہیں، حالانکہ قانون اس سے کہیں زیادہ محدود اور مشروط استثناء فراہم کرتا ہے۔ پیراگراف چار دو لازمی شرائط کا متنازعہ ہے۔ اول، اصل سیاسی جماعت کا کسی دوسری جماعت میں حقیقی تنظیمی انضمام، دوم، اس انضمام سے قانون ساز جماعت کے اراک دو دہائی اراکان کا اتفاق۔

گو یا دو دہائی اراکان کی موجودگی بذات خود انضمام نہیں بناتی بلکہ وہ صرف پہلے سے قوت پزیر ہونے والے جماعتی انضمام کی توثیق کرتی ہے۔ اسی لیے متعدد آئینی ماہرین یہ موقف اختیار کرتے ہیں کہ اگر اصل سیاسی جماعت مقرر کر رہے تو صرف اراکان کی انتخابی علیحدگی کو انضمام قرار نہیں دیا جا سکتا بلکہ وہ آئینی اعتبار سے احراف ہی شمار ہوگی۔ موجودہ سیاسی مباحث میں سب سے اہم آئینی سوال یہ ہے کہ دو دہائی منتخب نمائندوں کے اٹھا ہو جانے کو خود بخود انضمام سمجھا گیا جاتا ہے، حالانکہ آئینی اس تصور کو انداز میں قبول نہیں کرتا۔

آئینی پیمانے ہیں کہ دو دہائی اراکان خود کی دوسری جماعت میں ضم ہو سکتے ہیں۔ آئینی پیمانے ہیں کہ اگر اصل سیاسی جماعت کی دوسری جماعت میں ضم ہو جائے اور اس کے بعد قانون ساز جماعت کے کم از کم دو دہائی اراکان اس انضمام کی تائید کریں تو وہ نااہلی سے محفوظ رہیں گے۔ گو یا انضمام جماعت کا گروہ بناتا ہے، ارکان کا نہیں۔

تزمین کوٹ کے پیراگراف میں حالیہ اختلافات نے اسی آئینی سوال کو عملی صورت دے دی ہے۔ حال ہی میں مغربی بنگال اسمبلی میں تقریباً اسی ارکان نے پارٹی سے علیحدگی اختیار کی، جبکہ لوگ بھی بڑی تعداد میں ارکان نے الگ پارلیمانی گروپ تشکیل دے کر اسے علیحدہ گروپ کے طور پر تسلیم کرنے کے لیے الیکشن سے ملاقات کی اور درخواست پیش کی۔

بیہاں بنیادی سوال یہ پیدا ہوتا ہے کہ کیا ایک علیحدہ گروہ اپنی عدلی اکثریت کی بنیاد پر خود کو قانون ساز جماعت قرار دے سکتا ہے؟ مہتمم کوٹ کے مہاراشٹر (۲۰۲۳) کے فیصلے کی روشنی میں اس سوال کی تائید مشکل دکھائی دیتی ہے۔ کیونکہ قانون ساز جماعت کی آئینی حیثیت اصل سیاسی جماعت سے الگ نہیں ہو سکتی۔ اسی بنیاد پر کنگلے ہائی کورٹ نے الیکشن سے یہ سوال بھی کیا کہ پارٹی سے خارج کیے گئے ایک تحریف دکن کو تائید حزب اختلاف کا قانونی بنیاد پر تسلیم کیا گیا۔ یہ آئینی اختلاف محض کسی ایک عہدے کا نہیں بلکہ پارلیمانی جمہوریت کے اس بنیادی اصول سے متعلق ہے کہ الیکشن کی قیادت کی سیاسی جماعت کے اختیارات سے وجود میں آتی ہے جس کی وہ نمائندگی کرتی ہے۔

خاندانوں کو اپنے جذبات سے آگاہ کر سکتی تھی، یا دیانتداری کا راستہ منتخب کر سکتی تھی۔ منگیتر کا خاندان اور ان کی دیرینہ دوستی اس وجہ سے اور پہلے سے سوچے سمجھے منصوبہ بند قتل سے بہتر سلوک کی ہتھکڑی۔ ذاتی سہولت کے لیے جس آسانی سے ایک انسانی زندگی کو ختم کر دیا گیا، وہ لڑزہ خیز ہے۔

یہ بے بسی کیوں؟ بحران کی جڑیں: اس کے پیچھے کئی باہم جڑے ہوئے عوامل نظر آتے ہیں: روایتی اقدار اور خاندانی اثر و رسوخ کا خاتمہ: تیزی سے بڑھتی ہوئی اربنائزیشن (شہر کاری)، ٹیکنیکل (چھوٹے) خاندان، اور نسلوں کے درمیان کمزور ہوتے تعلقات کا مطلب یہ ہے کہ اب تنازعات کو سمجھانے کے لیے بڑے بڑے کم ہی دستیاب ہوتے ہیں۔ ممبر، عدل اور صلح جیسی جیسے تصورات کو اکثر پس پشت ڈال دیا جاتا ہے۔

سوشل میڈیا اور فوری ٹیکنیکل کا رجحان: فلموں/ڈراموں میں انتقامی کہانیوں اور سوشل میڈیا کی چمک دھم بھری زندگیوں کا مسلسل سامنا انتہائی رد عمل کو معمول بنا دیتا ہے۔ وہ تنازعہ جن کے لیے کبھی گفتگو کی ضرورت ہوتی تھی، اب آن لائن شدت اختیار کر جاتا ہے، جس سے رویے بد بدلت ہو جاتے ہیں۔

مادیت پرستی اور کمزور ایمان: جب آخرت پر دنیا غالب آجائے، تو جائیداد، اثنا یا روٹو خواہشات زندگی کی حرمت کو کھنڈ دیتی ہیں۔ ذہنی صحت کا دباؤ، جذبات پر قابو نہ پانا، اور ”پہلے میں“ کی ثقافت اس صورتحال کو بد بدلت دیتی ہے۔

بدلتا ہوا معاشرہ: محبت کی شادیاں، خاندانوں کے اندرونی بدلتے ہوئے معاملات، اور مرد و خواتین کے بدلتے ہوئے کردار مناسبت طریقہ کار نہ ہونے کی وجہ سے ٹکراؤ پیدا کرتے ہیں۔ بہت سے لوگ سمجھوتے کے ذریعے ”سچ خالق“ کا سامنا کرنے سے گھبراتے ہیں، اور سخت شائستگی کو ترجیح دیتے ہیں۔

لوگ اب رشتوں کو اندکی طرف سے دی گئی مقدس امانت کے طور پر نہیں دیکھتے۔ گفتگو بہت دھیمالگتی ہے اور سمجھوتہ کرنا ان کے خلاف محسوس ہوتا ہے۔ پھر بھی تاریخ اور ایمان ہمیں سکھاتے ہیں کہ اصل طاقت ضبط نفس اور حکمت میں ہے۔

انسانیت کی بحالی کی پکار: ان قاتلوں کو ہمیں خواب غفلت سے جگانا چاہیے۔ خاندانوں کو چاہیے کہ وہ کھلی گفتگو کو دوبارہ فروغ دیں، تنازعات کے شروع میں ہی خاندان کے بزرگوں یا مذہبی علماء کو شامل کریں، اور بچوں کو ناخن قتل کے خلاف اسلامی ممانعت کی تعلیم دیں۔ والدین کو رہنمائی کرنی چاہیے لیکن شریعت کی حدود میں رہتے ہوئے بالغ بچوں کی پسند کا احترام کرنا چاہیے، جبکہ شادی شدہ جوڑوں اور شہداء کو انتقام پر صلح کو ترجیح دینی چاہیے۔ قانونی راستے، کونسلنگ (مشاورت) اور توکل علی اللہ، تشدد کے مقابلے میں کہیں بہتر راستے پیش کرتے ہیں۔ بطور معاشرہ، ہمیں تعلیم، خزان و سنت کی یاد دہائیوں اور مثبت کہانیوں کے ذریعے اس سفاکی کو معمول بننے سے روکنا ہوگا۔ زندگی اللہ کی امانت ہے۔ اسے معمولی سمجھنا اللہ کے حضور جوابدہی کو دعوت دینا ہے۔

دعا ہے کہ یہ اسکیمیں ہر جان کی قدر کرنے، ٹوٹے ہوئے رشتوں کو جوڑنے اور قتل کے بجائے رحم کا راستہ اختیار کرنے کا شعور عطا کریں۔ ہماری برادریاں اور آنے والی نسلیں اسی پر فخر کریں۔

☆☆☆☆☆

उम्मीद की एक नई रोशनी

कला और संस्कृति की दुनिया में अपनी पहचान बनाने वाली 10 प्रेरणादायक मुस्लिम महिलाएं

आवाज़-ए-तसनीम विशेष श्रृंखला

देश की प्रतिभाशाली मुस्लिम महिलाओं के संघर्ष, समर्पण और सफलता को सामने लाने के उद्देश्य से आवाज़-ए-तसनीम ने एक विशेष अभियान ‘उम्मीद की एक नई रोशनी’ शुरू किया है। इस श्रृंखला का उद्देश्य उन महिलाओं की प्रेरक यात्राओं को समाज के सामने लाना है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत, प्रतिभा और आत्मविश्वास के दम पर नई पहचान बनाई।

इस श्रृंखला के इस विशेष अंक में हम बात कर रहे हैं कला और संस्कृति की दुनिया की। भारत की अनेक मुस्लिम महिलाओं ने संगीत, नृत्य, चित्रकला, अभिनय, लेखन, शिल्प और अन्य कला विधाओं में अपनी प्रतिभा का ऐसा परिचय दिया है, जिसने न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया है।

इन महिलाओं ने अपनी कला के माध्यम से समाज की रूढ़ियों को चुनौती दी, नई सोच को जन्म दिया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनीं। उनकी उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि प्रतिभा किसी धर्म, जाति या लिंग की मोहताज नहीं होती।

आज ‘उम्मीद की एक नई रोशनी’ के इस अंक में हम ऐसी ही 10 प्रेरणादायक मुस्लिम महिला कलाकारों से आपका परिचय कराएंगे, जिन्होंने अपने जुनून, मेहनत और समर्पण के बल पर कला जगत में एक अलग मुकाम बनाया। इनकी संघर्षगाथा हर उस बेटी के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को उड़ान देना चाहती है।

आएँ जानते हैं उन 10 मुस्लिम महिला कलाकारों की प्रेरक कहानियाँ, जिन्होंने अपनी कला से समाज में नई रोशनी बिखेरी और भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया।

आवाज़-ए-तसनीम की विशेष श्रृंखला ‘उम्मीद की एक नई रोशनी’ में शामिल ये प्रेरणादायक मुस्लिम महिलाएं इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि प्रतिभा न तो किसी धर्म की मोहताज होती है और न ही किसी सामाजिक बंदिश की। दृढ़ संकल्प, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर हर मंजिल हासिल की जा सकती है।

सूफी चित्रकला से लेकर दास्तानगोई, कविता, संगीत, शास्त्रीय कला, आधुनिक इंस्टलेशन आर्ट और तकनीकी क्षेत्रों तक, इन महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का ऐसा परिचय दिया है, जिसने भारत की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इन्होंने अपनी कला को केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं बनाया, बल्कि सामाजिक बदलाव, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, ईसानियत, शांति और समानता का सशक्त संदेश भी दिया।



नवाब जहां बेगम: शाही विरासत और आधुनिक कला का सुनहरा संगम

भारतीय कला जगत में कुछ कलाकार अपनी अनूठी शैली से अलग पहचान बनाते हैं। नवाब जहां बेगम ऐसी ही एक प्रतिष्ठित कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी रचनात्मकता, शाही विरासत और भारतीय संस्कृति को आधुनिक कला के साथ जोड़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान बनाई है।

भोपाल के शाही परिवार से संबंध रखने वाली नवाब जहां बेगम को बचपन से ही कला और सौंदर्य के प्रति गहरा लगाव था। परिवार में मिले सांस्कृतिक वातावरण और रचनात्मक सोच ने उनके भीतर छिपी कलाकार को नई दिशा दी। उन्होंने अपनी प्रतिभा को केवल शौक तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे विश्वस्तरीय पहचान दिलाई।

नवाब जहां बेगम को कला की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अपनी पेंटिंग्स में 24 कैंरेट शुद्ध सोने (बथथस स्फ़ुड्ड) का उपयोग करती हैं। उनकी कलाकृतियों में सोने की चमक केवल सौंदर्य का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत और शिल्प परंपरा का भी प्रतीक बनकर उभरती है। वे अपनी पेंटिंग्स में पेंलेट नाफ़फ तकनीक का प्रयोग करती हैं, जिससे उनकी रचनाओं को विशिष्ट बनावट, गहराई और जीवंतता मिलती है। इसके साथ ही उन्होंने भारत की प्रसिद्ध गोंड कला को स्वर्णकारी की बारीकियों के साथ जोड़कर एक नई और अभिनव शैली विकसित की है। यह प्रयोग भारतीय लोककला को आधुनिक अभिव्यक्ति देने का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। उनकी कलाकृतियों को देश-विदेश की अनेक कला प्रदर्शनियों में सराहा गया है। उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हुए हैं। उनकी पेंटिंग्स भारतीय संस्कृति, प्रकृति, आध्यात्मिकता और परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत करती हैं।

आज नवाब जहां बेगम वैश्विक मंच पर भारतीय कला और संस्कृति की प्रभावशाली प्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। उनकी कला यह सिद्ध करती है कि परंपरा और आधुनिकता का संतुलित मेल विश्व स्तर पर भी नई पहचान बना सकता है। नवाब जहां बेगम की यात्रा यह संदेश देती है कि जब विरासत, प्रतिभा और नवाचार एक साथ आते हैं, तो कला केवल चित्र नहीं रहती, बल्कि संस्कृति और पहचान की अमूल्य धरोहर बन जाती है।



रानी खानम (कथक नृत्यांगना)



रानी खानम ने समाज की पुरानी बंदिशों को तोड़कर कथक नृत्य के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बिहार में जन्मी रानी खानम ने पञ्चविषुषण पंडित बिरजू महाराज जैसे महान गुरुओं से नृत्य की शिक्षा ली। मुस्लिम समाज से होने के कारण शुरुआत में उन्हें कई तरह के विरोध का सामना करना पड़ा लेकिन वह पीछे नहीं हटीं। उन्होंने ‘आमद परफॉर्मिंग आर्ट्स सेंटर’ की शुरुआत की। इस संस्था के जरिए वह डॉस को सामाजिक बदलाव का जरिया बना रही हैं। उनकी कोरियोग्राफी में सूफीवाद और आध्यात्मिकता का गहरा प्रभाव दिखता है। वह अपने डॉस के माध्यम से महिला समानता और समाज के कमजोर वर्गों की आवाज़ उठाती हैं।

रुतबा शौकत (ओरिगेमी में विश्व रिकॉर्ड)

श्रीनगर की रहने वाली रुतबा शौकत ने खेल और कला दोनों ही क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा साबित की है। रुतबा राष्ट्रीय स्तर की मार्शल आर्ट खिलाड़ी हैं और उन्होंने कई मेडल जीते हैं। कोरोना महामारी के लॉकडाउन के दौरान उन्होंने अपने खाली समय में कागज मोड़ने की जापानी कला यानी ओरिगेमी सीखी।

कड़ी मेहनत और दो बार असफल होने के बाद रुतबा ने इतिहास रच दिया। उन्होंने एक घंटे में 250 कागज की नावें बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। रुतबा की कहानी हमें सिखाती है कि अगर आपके पास धैर्य है तो आप किसी भी चुनौती को पार कर सकते हैं।



साफिया बानो (कोलकाता की पहली मुस्लिम महिला निकाह रजिस्ट्रार)

साफिया बानो ने समाज की पुरानी धारणाओं को बदलते हुए एक नया इतिहास रचा है। वह कोलकाता की पहली मुस्लिम महिला मैरिज रजिस्ट्रार बनी हैं। बंगाली साहित्य से ग्रेजुएशन करने वाली साफिया एक साधारण हाउसवाइफ थीं। उन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर इस प्रशासनिक पद को हासिल किया जहां हमेशा पुरुषों का कब्जा रहता था। उनके इस पद पर आने से समाज में महिलाओं के प्रति सोच बदली है। साफिया के रजिस्ट्रार बनने से मुस्लिम महिलाओं को अपने कानूनी और पारिवारिक मामलों में बात करने के लिए एक सुरक्षित और आरामदायक माहौल मिला है। उनका यह सफर महिलाओं की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।



साजिदा खान (देश की पहली प्रमुख महिला ऑडियो इंजीनियर)

हैदराबाद की साजिदा खान ने देश के तकनीकी और रचनात्मक क्षेत्र में एक नई राह दिखाई है। वह भारत की पहली प्रसिद्ध महिला ऑडियो इंजीनियर हैं। साजिदा ने कई भाषाओं की 60 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने साउंड डिजाइन, मिक्सिंग, डबिंग और पोस्ट प्रोडक्शन के काम में महारत हासिल की है। जिस दौर में इस फील्ड में सिर्फ पुरुष काम करते थे उस समय साजिदा ने अपनी मेहनत से लोहा मनवाया। उन्हें उनके शानदार काम के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। फिल्मों के अलावा वह तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी काम कर रही हैं।



डॉ. फरखंदा खान फिदा: सूफी रंगों से दुनिया को शांति का संदेश देने वाली चित्रकार

कभी-कभी जीवन की एक छोटी-सी मुलाकात इंसान की पूरी दिशा बदल देती है। प्रसिद्ध सूफी चित्रकार डॉ. फरखंदा खान फिदा के जीवन में भी ऐसा ही एक मोड़ वर्ष 1997 में आया, जब दिल्ली की एक कला प्रदर्शनी में उनकी मुलाकात विश्वविख्यात चित्रकार एम.एफ. हुसैन से हुई। हुसैन ने उन्हें केवल एक सलाह दी- ‘हमेशा वही चित्र बनाओ, जो तुम्हारे दिल से निकलता हो।’ यही वाक्य आगे चलकर उनके जीवन और कला का मूलमंत्र बन गया।

भारतीय वायुसेना में कार्यरत पिता के कारण फरखंदा खान का बचपन अनुशासन और संस्कारों के बीच बीता, वहीं घर का कलात्मक वातावरण उनकी रचनात्मकता को निरंतर प्रेरित करता रहा। कला के प्रति उनकी लगन ने उन्हें ललित कला में स्वर्ण पदक दिलाया। इसके बाद उन्होंने इसी विषय में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक यात्रा को भी नई ऊंचाई दी। उनके जीवन का सबसे बड़ा आध्यात्मिक परिवर्तन तब आया, जब उन्होंने दिल्ली स्थित हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह का रुख किया। सूफी परंपरा के प्रेम, शांति और ईसानियत के संदेश ने उनके मन को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद उनकी कला में सूफी दर्शन की झलक स्पष्ट दिखाई देने लगी। उनके केनवास पर रंग केवल चित्र नहीं बनाते, बल्कि प्रेम, आध्यात्मिकता, सहिष्णुता और मानवीय एकता की कहानी कहते हैं। आज डॉ. फरखंदा खान फिदा की पेंटिंग्स भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी प्रदर्शित की जाती हैं। उनकी कलाकृतियां यह संदेश देती हैं कि कला केवल सौंदर्य का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना फैलाने की एक सशक्त शक्ति भी है। डॉ. फरखंदा खान फिदा की यात्रा बताती है कि जब कला दिल की आवाज़ बन जाए और उसमें ईसानियत की खुशबू घुल जाए, तब वह सीमाओं से परे जाकर पूरी दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन जाती है।



फौजिया दास्तानगो: किस्सागोई की परंपरा को नई पहचान देने वाली दास्तानगो

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में दास्तानगोई यानी किस्सागोई की कला का एक विशेष स्थान रहा है। समय के साथ यह परंपरा धीरे-धीरे विलुप्त होने लगी, लेकिन फौजिया दास्तानगो ने अपनी लगन और प्रतिभा से इस सदियों पुरानी मौखिक कथा परंपरा को नई पहचान दिलाई। पुरानी दिल्ली के ऐतिहासिक पहाड़ी भोजला इलाके में जन्मी फौजिया का बचपन उर्दू साहित्य, किस्सों और सांस्कृतिक माहौल के बीच बीता। बचपन से ही उन्हें किताबों, कहानियों और उर्दू अदब से गहरा लगाव था। यही रुचि आगे चलकर उनके जीवन का उद्देश्य बन गई। साल 2006 में उन्होंने पहली बार एक दास्तानगोई का लाइव मंचन देखा। इस प्रस्तुति ने उनके मन पर इतनी गहरी छाप छोड़ी कि उन्होंने अपने जीवन की दिशा ही बदल दी। उन्होंने एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर की नौकरी छोड़कर दास्तानगोई जैसी चुनौतीपूर्ण विधा को अपना जीवन समर्पित कर दिया। उस दौर में दास्तानगोई को मुख्यतः पुरुष कलाकारों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन फौजिया ने इस धारणा को अपनी प्रतिभा और मेहनत से बदल दिया। उन्होंने न केवल इस कला में अपनी अलग पहचान बनाई, बल्कि यह भी साबित किया कि कला में प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। आज फौजिया दास्तानगो भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से दास्तानगोई की समृद्ध परंपरा का परिचय करा रही हैं। उनकी खासियत यह है कि वे पारंपरिक दास्तानों को समकालीन सामाजिक मुद्दों और नई पीढ़ी की संवेदनाओं से जोड़कर प्रस्तुत करती हैं। उनकी प्रस्तुतियां मनोरंजन के साथ-साथ समाज को सोचने और संवाद करने का अवसर भी देती हैं। फौजिया दास्तानगो की यात्रा यह संदेश देती है कि यदि अपनी संस्कृति और विरासत पर विश्वास हो, तो परंपराएं कभी समाप्त नहीं होतीं। जुनून, साहस और समर्पण के बल पर उन्हें नई पीढ़ी तक सफलतापूर्वक पहुंचाया जा सकता है।



बारां इजलाल: अहसासों और खामोशी को कला की भाषा देने वाले कलाकार

कला केवल रंगों और आकृतियों का मेल नहीं होती, बल्कि वह भावनाओं, अनुभवों और समाज के अनकहे सच को अभिव्यक्त करने का माध्यम भी होती है। समकालीन कलाकार बारां इजलाल अपनी अनूठी कला शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी रचनाओं में संवेदनाएं, संघर्ष, यादें और सामाजिक यथार्थ गहराई से दिखाई देते हैं।

बारां इजलाल का बचपन ऐसे माहौल में बीता, जहां कला और कल्पनाशीलता को अधिक प्रोत्साहन नहीं मिलता था। इसके बावजूद उन्होंने अपने भीतर छिपे कलाकार को कभी दबने नहीं दिया। बचपन में दीवारों पर स्केच बनाकर अपनी कल्पनाओं को आकार देने वाले बारां ने समय के साथ अपनी प्रतिभा को निखारा और आज वे बड़े-बड़े कलात्मक इंस्टलेशन तैयार करते हैं, जो दर्शकों को सोचने और आत्ममथन करने के लिए प्रेरित करते हैं। उनकी कला की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे पारंपरिक माध्यमों तक सीमित नहीं रहते। अपनी कलाकृतियों में वे राख, जंग लगे धातु के टुकड़े, टूटी हुई वस्तुएं और अन्य असामान्य सामग्रियों का उपयोग करते हैं। इन साधारण और परित्यक्त वस्तुओं को वे अपनी रचनात्मक दृष्टि से ऐसा रूप देते हैं कि वे जीवन, स्मृतियों और समाज की अनकही कहानियों का प्रतीक बन जाती हैं। बारां इजलाल की चर्चित कला श्रृंखला "Echoes of Silence" (इकोज ऑफ़ साइलेंस) विशेष रूप से सराही गई है। इस श्रृंखला में उन्होंने खामोशी, बिछड़ने, स्मृतियों और मानवीय भावनाओं को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। उनकी कलाकृतियां दर्शकों के मन में गहरी संवेदना जगाती हैं और समाज के उन पहलुओं पर सोचने के लिए प्रेरित करती हैं, जिन पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता।

आज बारां इजलाल समकालीन भारतीय कला जगत में एक अलग पहचान रखते हैं। उनकी कला यह संदेश देती है कि रचनात्मकता केवल सौंदर्य तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह समाज के छिपे हुए सच, मानवीय संवेदनाओं और इतिहास की अनसुनी आवाजों को भी सामने ला सकती है। बारां इजलाल की यात्रा हमें सिखाती है कि कठिन परिस्थितियां भी प्रतिभा को रोक नहीं सकतीं। यदि सोच नई हो और अभिव्यक्ति सच्ची हो, तो कला समाज में संवाद, संवेदना और परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन जाती है।



रफा यासमीन (संगीत की उमरती आवाज़)



पश्चिम बंगाल के मालदा की रहने वाली रफा यासमीन ने बहुत कम उम्र में अपनी आवाज़ का जादू बिखेरा है। रफा ने बचपन से ही शास्त्रीय और आधुनिक संगीत की शिक्षा ली है। टेलीविजन के मशहूर रियलिटी शो सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स से उन्हें देश भर में पहचान मिली। वह बंगाल की सबसे होनहार युवा गायिकाओं में से एक हैं।

संगीत के साथ-साथ रफा सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं। वह साइबर सुरक्षा एंबेसडर के रूप में काम कर रही हैं। वह इंटरनेट की दुनिया में युवाओं को सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक करती हैं। रफा की कहानी दिखाती है कि कला के साथ सामाजिक जिम्मेदारी को कैसे निभाया जाता है।



जयपुर में हुए फोटोशूट में दिखा मॉडल्स का आत्मविश्वास

मिस राजस्थान की टॉप 28 गर्ल्स ने दिए पोज, फोटोजेनिक राउंड में दिखा ग्लैमर

जयपुर(नि.सं.)।

मॉडलिंग की दुनिया में केवल खूबसूरती ही नहीं, बल्कि कैमरे के सामने खुद को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना भी एक कला है। चेहरे के भाव, आंखों की अभिव्यक्ति, बॉडी लैंग्वेज, सही एंगल, आकर्षक पोज और कैमरे से जुड़ाव ही किसी मॉडल को फोटोजेनिक बनाता है। इसी कला की परख के लिए मिस राजस्थान 2026 के अंतर्गत मिस फोटोजेनिक राउंड का आयोजन सीकर रोड स्थित आर. चंद्र पैलेस में किया गया, जहां टॉप फाइनलिस्ट ने अपने स्टाइल, आत्मविश्वास और कैमरा प्रेजेंस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्युनज ग्रुप और रूबी डिजिटल के सहयोग से आयोजित इस विशेष फोटोशूट में प्रतिभागियों ने कैमरे के सामने प्रोफेशनल मॉडल्स की तरह अलग-अलग पोज दिए।



किसी ने स्माइल के जरिए अपनी सहजता दिखाई, तो किसी ने आंखों के एक्सप्रेशन और कॉन्फिडेंस से तस्वीरों में अलग पहचान बनाई। फोटोशूट के दौरान प्रतिभागियों को यह भी सिखाया गया कि कैमरे के सामने कैसे खड़ा होना है, चेहरे के भाव किस तरह बदलने हैं, हाथों और शरीर की मुद्रा कैसे रखनी है और किस तरह हर क्लिक में अपनी पर्सनैलिटी को

उभारना है।

प्रसिद्ध फैशन फोटोग्राफर बासु जैन ने प्रतिभागियों का फोटोशूट किया। उन्होंने अलग-अलग लाइटिंग, कैमरा एंगल और फ्रेमिंग के जरिए प्रत्येक प्रतिभागी की सबसे बेहतरीन तस्वीरें कैद कीं। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि एक सफल मॉडल के लिए कैमरे से जुड़ाव, नेचुरल एक्सप्रेशन और हर फ्रेम में आत्मविश्वास बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। सही एंगल, चेहरे का प्रोफाइल और आंखों का संपर्क ही एक सामान्य तस्वीर को शानदार फैशन पोर्ट्रेट में बदल देता है। फोटोशूट को और आकर्षक बनाने के लिए मैजैस्टिक मेकओवरस की मेकअप एक्सपर्ट मधु यादव ने सभी प्रतिभागियों को स्टायलिश कॉन्फिडेंट लुक दिया। मेकअप, हैयर स्टाइल और आउटफिट्स के संयोजन ने फोटोशूट को पूरी तरह फैशन मैगजीन जैसा प्रोफेशनल लुक प्रदान किया।



न्यूज़ इन बॉक्स

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 58 करोड़ लोगों का जुड़ना सरकार की कर्मठता का प्रमाण : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर(नि.सं.)। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रविवार को झोटावाड़ा विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की 135वीं कड़ी को सुना। प्रधानमंत्री मोदी जी की यह जन संवाद जनता से सतत संवाद, समसामयिक विषयों पर विमर्श और एक जनसेतु है। कार्यक्रम के बाद कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस प्रकार एक परिवार का उदाहरण देते हुए सभी नागरिकों को बीमा सुरक्षा कवच से जुड़ने के लिए हम सभी जागरूक किया वह सभी देशवासियों को जीवन सुरक्षा व जन उत्तरदायित्व हेतु जागरूक करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने रक्षा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों व समुद्र से आसमान तक की अभेद्य सुरक्षा द्वारा देश को सिर्फ निश्चित ही नहीं बल्कि गौरवान्वित भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश आत्मनिर्भरता, योग संस्कृति व जन सुरक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कार्यक्रम को सुनने के बाद जनता से मोदी जी के आह्वान के अनुरूप क्षेत्रवासियों से जन सुरक्षा में अपना उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की अपील की।



उमंग टुडेज़ विमेन लेकर आ रहा है राजस्थान की सबसे बड़ी कुकिंग प्रतियोगिता किचन क्वीन ऑफ राजस्थान

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान की समृद्ध पाक परंपरा, घर-घर में संजोए गए पारंपरिक स्वाद और महिलाओं की अद्भुत पाक-कला को सम्मान देने के उद्देश्य से उमंग टुडेज़ विमेन, नीलम स्टेनलेस स्टील द्वारा प्रस्तुत, राज्य की सबसे बड़ी कुकिंग प्रतियोगिता किचन क्वीन ऑफ राजस्थान का आयोजन करने जा रहा है। महाराष्ट्र में मिली अभूतपूर्व सफलता के बाद अब यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता पहली बार राजस्थान में आयोजित होगी। इस अनूठी पहल का उद्देश्य राज्यभर की प्रतिभाशाली महिलाओं को अपनी पाक-कला प्रदर्शित करने का अवसर देना, उन्हें राज्यस्तरीय पहचान दिलाना तथा राजस्थान की समृद्ध खान-पान संस्कृति और पारंपरिक व्यंजनों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। प्रतियोगिता पूरी तरह से शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों पर आधारित होगी। इसमें विशेष रूप से राजस्थान की पारंपरिक, विरासत और वर्षों से घरों में बनती आ रही रैसिपीज़ को प्राथमिकता दी जाएगी।



वीबी-जी राम जी योजना: 1 जुलाई से आगाज:मुख्यमंत्री ने कहा

शिविरों में लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर हो सख्त कार्रवाई

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने का मजबूत माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिविरों का क्रियान्वयन सड़क, पानी, बिजली और चिकित्सा से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान के रूप में किया जाए। साथ ही, उन्होंने इन शिविरों में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के भी



निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री निवास पर ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की प्रगति तथा वीबी-जी राम जी योजना के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने सेवा शिविरों में आने वाले नए प्रकरणों एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण की अलग-अलग सूची तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि यह सूची जिलेवार तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण सेवा शिविरों में वर्षों से

लंबित राजस्व प्रकरणों का तुरंत निस्तारण किया जाए, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके तथा इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। वहीं, उन्होंने शिविरों में सभी विभागों के कार्यों की प्रगति की निरंतर मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना को लेकर संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि 1 जुलाई से प्रदेश में इस योजना के क्रियान्वयन की सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं।



बीकानेर में 3.21 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ नष्ट किए

2013 किलो डोडा-पोस्ट समेत गांजा, स्पैक और एमडी का किया निस्तारण बीकानेर(वि.सं.)। बीकानेर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन नीलकंठ के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 21 लाख 36 हजार 275 रुपए मूल्य के मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी की मौजूदगी में नियमानुसार की गई, जिसकी जानकारी जिला एसपी मृदुल कच्छवा ने दी। एसपी ने बताया कि ऑपरेशन नीलकंठ के तहत अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और कारोबार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत जब किफ्त किए गए मादक पदार्थों का कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि 130 प्रकरणों में जब्त किए गए मादक पदार्थों को ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी की उपस्थिति में नष्ट किया गया।

सघन निरीक्षण

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी ख़बरों पर त्वरित एक्शन लें:गायत्री राठौड़



जयपुर(नि.सं.)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के निर्देश पर सभी जिलों की स्वास्थ्य सेवाओं का 24 जून से 27 जून तक मुख्यालय के जिला प्रभारियों के दलों द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। प्रभारियों द्वारा गर्भवती महिलाओं की ट्रैकिंग, उपकरणों की स्थिति, प्रोटोकॉल की पालना, फायर और इलेक्ट्रिकल ऑडिट, दवाइयों का स्टॉक, स्वास्थ्य भवनों एवं एम्बुलेंस की स्थिति सहित अन्य बिन्दुओं की सघन जांच की गई। राठौड़ द्वारा जिलों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधा की स्थिति के सम्बन्ध में शनिवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के सीएमएचओ एवं जिला प्रभारियों से जानकारी ली गई। उन्होंने सिरोही, उदयपुर, कोटा, जालोर सहित अन्य जिलों

के प्रभारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने जिलों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, दवाइयों की उपलब्धता एवं उचित रखरखाव, स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में निर्धारित एसओपी की पालना, चिकित्सा संस्थानों में मरम्मत सम्बन्धी जरूरतों, विभिन्न स्वास्थ्य सूचकांकों में खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों को आ रही समस्याओं इत्यादि बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों का उपयोग नहीं करें एवं सभी प्रकार के प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि फैसिलिटी इंचार्ज सम्बंधित संस्थान की व्यवस्थाओं का बायेंकी से निरीक्षण करें। उनमें सुधार लाए तथा सीएमएचओ नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर अस्पताल की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार करें।



बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति का किया मर्डर

पहले शराब पिलाई, फिर लाठी मारकर सिर फोड़ा जालोर(वि.सं.)। जालोर में एक पत्नी ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की हत्या करवा दी। दरअसल, पति-पत्नी की शादी को 15 साल हो चुके थे, लेकिन दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी वजह से ममता पिछले 8-10 महीनों से अपने पीहर में रह रही थी। सांजिश के तहत बॉयफ्रेंड ने अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर रातें को मजदूरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया। आरोपियों ने पहले उसे शराब पिलाई और फिर एक खेत में ले जाकर लाठी से सिर फोड़कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मर्डर केस का 48 घंटे में खुलासा कर दिया। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल कॉल डिटेल्स के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी ममता, उसके प्रेमी रमेश कुमार मीणा और सांजिश में शामिल अभिषेक मीणा को गिरफ्तार किया है।

दिन-दहाड़े महिला की हत्या

जयपुर में रुपए नहीं देने पर करी मां की हत्या : दीवार में सिर पकड़ मारा

जयपुर। जयपुर पुलिस ने दिन-दहाड़े महिला की हत्या मामले में बेटे को रविवार दोपहर अरेस्ट किया है। नशे के लिए रुपए नहीं देने पर गुस्सेएं बेटे ने मां का सिर पकड़ दीवार पर दे मारा। चाकू से चेहरे पर हमला कर मां की हत्या कर फरार हो गया। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने दबिषा देकर रविवार सुबह हत्यारे बेटे को धर-दबोचा। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी



(वेस्ट) रंजीता शर्मा ने बताया-हत्या में आरोपी अनिल बैरवा (27) पुत्र हजारीलाल बैरवा निवासी जैतपुर गंगपुर सिटी को अरेस्ट किया गया है। पुलिस ने रविवार सुबह खोह नागोरियान इलाके में दबिषा देकर उसको

पकड़ा है। मां पंजी देवी (55) की हत्या करने के बाद वह मोबाइल स्विच ऑफ कर फरार हो गया था। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि वह नशे का आदी है। भाईयों के मजदूरी पर जाने के बाद वह शनिवार दोपहर घर पहुंचा। अपनी मां पंजी देवी से नशा करने के लिए रुपए मांगे। रुपए नहीं देने की बात को लेकर उसका झगड़ा हो गया। गुस्से में अपनी मां पंजी देवी का सिर पकड़कर उसने दीवार से दे मारा।

आरोप नीट पेपर लीक मामले में देश के युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया

सांसद सीपी जोशी बोले: राहुल गांधी फेल्योर स्टूडेंट

वे जनता के सामने खुद को साबित नहीं कर पाए; कांग्रेस राज में पेपरलीक माफिया को मिला संरक्षण भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने कांग्रेस पर नीट पेपर लीक मामले में देश के युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया है। भीलवाड़ा आए सांसद ने पार्टी के जिला ऑफिस में मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा- राहुल गांधी एक फेलियर स्टूडेंट की तरह हैं, जो अपने आप को देश की जनता के सामने साबित नहीं कर पाए और यह बात उन्होंने खुद भी साबित कर दी है। सांसद जोशी ने राजस्थान के पिछले घटनाक्रमों का जिक्र



करते हुए जनता को कांग्रेस और भाजपा के बीच का अंतर समझाया। उन्होंने कहा कि लोग दोनों पार्टियों के काम करने के तरीके को बखूबी समझते हैं। कांग्रेस के राज में

राजस्थान में लगातार लगभग 19 बार पेपर लीक की घटनाएं हुईं। उन्होंने दावा किया कि जब कांग्रेस सरकार में पेपर लीक होते थे, तो राजीव गांधी स्टडी सर्कल से जुड़े कांग्रेस के बड़े नेता और सरकारी एजेंसी में पदस्थ उनके ग्वदधिकारी व सदस्य खुद उसमें शामिल होते थे।

पेपर लीक माफियाओं को सरकार का संरक्षण प्राप्त था, जिस वजह से उनकी गिरफ्तारियां नहीं होती थीं।

मोदी सरकार ने सेना के विमानों से पहुंचाए सुरक्षित पेपर सांसद जोशी ने कहा कि युवाओं के भविष्य की चिंता करते हुए सरकार ने पहली बार देश के इतिहास में एक अनूठी और

सुरक्षित पहल की है। युवाओं के भविष्य की चिंता करते हुए सरकार ने पहली बार आर्मी (सेना) के प्लेन के माध्यम से पेपर्स को सुरक्षित जगहों तक पहुंचाया है, जिससे इसकी बेहतर और अचूक मॉनिटरिंग की जा सके। सांसद ने कहा कि जहां कांग्रेस के समय में धोंधली करने वालों को शह मिलती थी, वहीं आज की सरकार में पारदर्शिता को सर्वोपरि रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जो भी दोषी पाया गया है, उसके खिलाफ तुरंत कड़ा एक्शन लिया गया है और आगे भी पूरी पारदर्शिता के साथ जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस राज में अपराधियों की भागीदारी और संरक्षण का दौर था।

सऊदी अरब में बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा, कतर गैस प्लांट धमाके में 12 भारतीयों की मौत, चार शव आज लाए जाएंगे भारत

आवाज़ ए तसनीम

सऊदी अरब में रविवार (28 जून) को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हो गया. इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार 14 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. इस बात की जानकारी सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने दी है. ऊर्जा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 6 बजे हुई और मारे गए सभी लोग सऊदी नागरिक थे. दुर्घटना की वजह के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई.

दरअसल, ईरान के खिलाफ अमेरिका-इज़राइल युद्ध के दौरान



लगभग चार महीनों तक सऊदी के 'रास तनूरा' टर्मिनल पर कच्चे तेल की लोडिंग करने का काम रुका हुआ था. बीते शुक्रवार (26 जून) को सऊदी अरामको ने खाड़ी में स्थित

अपने रास तनूरा टर्मिनल पर कच्चे तेल की लोडिंग फिर से शुरू कर दी. इसी अरामको तेल कंपनी का हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हो गया. कंपनी ने कहा कि दुर्घटना की वजहों का पता

लगाने के लिए जांच चल रही है और उसने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की.

युद्ध की वजह से तेल की सप्लाई पर ठप, कीमतों में बढ़ोतरी

हाल ही में ईरान युद्ध की वजह से तेल की सप्लाई में रुकावट और कीमतों में बढ़ोतरी के चलते अरामको को काफी मशक़त करनी पड़ी. कंपनी ने बताया कि उसने युद्ध से प्रभावित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से बचने के लिए तेल के कुछ निर्यात को सफलतापूर्वक पाइपलाइन के जरिए भेजना शुरू कर दिया है.

आवाज़ ए तसनीम

कतर के रास लाफान गैस प्लांट में जबर्दस्त धमाका हुआ. इस घटना में 13 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 12 भारतीय शामिल थे. सभी भारतीयों के शव अब भारत वापस लाए जा रहे हैं. इनमें से चार के शव आज लाए जा रहे हैं. कतर के दोहा में मौजूद भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, +रास लाफान घटना में जान गंवाने वाले 12 भारतीय नागरिकों में से चार के पार्थिव शरीर आज भारत वापस लाए जा रहे हैं. हमें उम्मीद है कि बाकी पार्थिव शरीर भी जल्द ही वापस लाए जाएंगे. दूतावास ने परिवारों और संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया है.+ दूतावास ने आगे कहा कि उसने सभी



घायल भारतीयों से संपर्क बनाए रखा है. हम सहयोग और तालमेल के लिए कतर के अधिकारियों और भारतीय समुदाय के संगठनों का धन्यवाद करते हैं. दरअसल, 21 जून को कतर के रास लाफान गैस प्लांट में एक धमाका

कतर के अधिकारियों ने कहा, +यह घटना मेटेनैस के लिए कामकाज बंद होने के बाद उसे दोबारा शुरू करने के दौरान हुई. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि यह एक तकनीकी दुर्घटना थी, न कि कोई तोड़-फोड़ या दुश्मन का हमला.+ विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मौतों पर गहरा दुःख जताते हुए कहा, +वे भारतीय नागरिकों की जान जाने से बहुत दुखी हैं और भरोसा दिलाया कि सरकार पीड़ितों के परिवारों को हर संभव मदद दे रही है. दोहा में भारतीय दूतावास ने कतरी अधिकारियों के साथ मिलकर मृतकों की पहचान करने, घायलों की मदद करने और शवों को वापस लाने का इंतज़ाम करने के लिए मिलकर काम किया.

उम्रकैद के बीच महरंग बलोच को मिली वैश्विक पहचान, दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट



आवाज़ ए तसनीम

एक सुरक्षा अधिकारी की हत्या के मामले में बलूच यूनिटी कमेटी की नेता डॉ. महरंग बलूच को हाल ही में उम्रकैद की सजा सुनाई गई. वहीं, बलूच यूनाइटेड कमेटी ने घोषणा की है कि उसकी केंद्रीय नेता, डॉ. महरंग बलोच को दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है. महरंग बलोच को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए जनवरी 2026 में नॉमिनेशन किया गया था, लेकिन संगठनात्मक नीतियों की वजह से इस बात को सार्वजनिक नहीं किया गया था. झट्टु ने बताया कि अब नॉमिनेशन का खुलासा करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि डॉ. महरंग बलोच, जिन पर पाकिस्तानी सरकार द्वारा 'झूठे और बेबुनियाद आतंकवाद के आरोप' लगाकर निशाना बनाए जाने का दावा किया जाता है, उन्हें शांति, न्याय और मानवाधिकारों की वकालत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है.

कमेटी ने इस सम्मान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बलोच अधिकारों के आंदोलन की एक महत्वपूर्ण मान्यता बताया है. झट्टु ने जोर देकर कहा कि यह नॉमिनेशन उसके आंदोलन की शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक प्रकृति को दर्शाता है और तर्क दिया कि उसका अभियान मानवाधिकार सिद्धांतों पर आधारित है. उसने आरोप लगाया कि

उसके नेतृत्व के खिलाफ की गई कानूनी कार्रवाई असहमति को दबाने के उद्देश्य से की गई राजनीतिक बदले की भावना को दर्शाती है. संगठन ने आगे दावा किया कि उसके कई नेता मनगढ़ंत झट्टुक्र बेबुनियाद आरोपों और अपारदर्शी न्यायिक कार्यवाही का सामना कर रहे हैं. कमेटी के मुताबिक इन उपायों का उद्देश्य बलोचिस्तान में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों - जिसमें जबरन गायब करना, गैर-न्यायिक हत्याएं और सैन्य अभियान शामिल हैं - के खिलाफ आवाज उठाने वाली शांतिपूर्ण आवाजों को चुप कराना है. BYC ने यह भी आरोप लगाया कि डॉ. महरंग बलोच और उसके नेतृत्व के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद, बलोचिस्तान में जबरन गायब करने, गैर-न्यायिक हत्याओं और सैन्य अभियानों की घटनाएं तेज हो गई हैं, और स्थानीय समुदायों को इसके परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं. कमेटी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, मानवाधिकार संगठनों और लोकतांत्रिक संस्थानों से बलोचिस्तान की स्थिति पर ध्यान देने की अपील की. उसने उनसे कथित अधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाने और डॉ. महरंग बलोच और बलोच यकजहेती कमेटी के अन्य सदस्यों से बलोचिस्तान के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए दबाव डालने का आग्रह किया.

डॉ. माहनूर पर एसिड अटैक के बाद प्रदर्शन जारी, YDA ने रस्खों कई बड़ी मांगें

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक महिला डॉक्टर डॉ. माहनूर नासिर पर हुए एसिड अटैक के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन लगातार 19वें दिन भी जारी है. यंग डॉक्टर्स एसोसिएशन इस विरोध प्रदर्शन को लीड कर रहा है. महिला डॉक्टर पर हुए एसिड अटैक से पाकिस्तान में हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं. यंग डॉक्टर्स एसोसिएशन बलूचिस्तान ने प्रांतीय सरकार को खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है. एसोसिएशन ने तब तक सरकारी अस्पतालों में आउट-पैशेंट डिपार्टमेंट्स बंद रखने का फैसला किया है, जब तक अधिकारी उनकी मुख्य मांगों को पूरा नहीं करते.



यह फैसला YDA की एक केंद्रीय बैठक में लिया गया, जिसमें सदस्यों ने डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार की नाकामी और एसिड अटैक को लेकर सरकार की देरी से प्रतिक्रिया पर असंतोष जताया. एसोसिएशन का तर्क है कि इस घटना ने मेडिकल प्रोफेशनल्स के बीच डर पैदा कर दिया है, जिससे कई लोग अपनी इधुटी करते समय असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. झुष्ट ने बलूचिस्तान के हेल्थ सेक्टर और सिविल हॉस्पिटल क्रेटा के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को तुरंत हटाने की मांग की है.

डॉक्टर्स सिव्योरिटी एक्ट को बिना किसी देरी के किया जाए लागू- YDA

यंग डॉक्टर्स एसोसिएशन ने डॉ. माह नूर पर हुए एसिड अटैक की स्वतंत्र जांच के लिए एक न्यायिक आयोग बनाने की भी मांग की है और प्रांतीय सरकार से लंबे समय से लंबित डॉक्टर्स सिव्योरिटी एक्ट को बिना किसी देरी के लागू करने का आग्रह किया है. सिविल हॉस्पिटल क्रेटा के बाहर विरोध प्रदर्शन का कैप जारी है और एसोसिएशन ने 29 जून को एक ग्रेड डॉक्टर्स कॉन्फ्रेंस की घोषणा की है. इसके बाद 30 जून को सिविल हॉस्पिटल से एक बड़ी विरोध रैली निकाली जाएगी. साथ ही एकजुटता दिखाने के लिए पूरे बलूचिस्तान में सरकारी अस्पतालों में भी प्रदर्शन होने की उम्मीद है. यंग डॉक्टर्स एसोसिएशन के नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सुरक्षा के कड़े उपाय नहीं किए जाते, हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून के सामने नहीं लाया जाता और प्रांतीय स्वास्थ्य विभाग में सार्थक सुधार नहीं किए जाते. एसोसिएशन ने पूरे बलूचिस्तान के डॉक्टरों, हेल्थकेयर संस्थाओं और सिविल सोसाइटी के सदस्यों से डॉ. माह नूर नासिर के समर्थन में आगामी कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनों में भाग लेने की अपील भी की है.

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान का बड़ा हमला, 29 लोगों की मौत; सीमा पर फिर भड़का तनाव

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान ने एक बार फिर अपने पड़ोसी देश अफगानिस्तान पर हमला किया है. इस हमले में कम से कम 29 लोगों की मौत हो गई है. जबकि सैकड़ों की संख्या में लोग घायल हुए हैं. डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने रविवार को अफगानिस्तान से लगी अपनी सीमा पर हमले किए. पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लेह तरार ने रविवार रात कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर और सीमावर्ती इलाकों में 'खुफिया जानकारी पर आधारित एक सुनियोजित जमीनी अभियान' और हमले किए. मंत्री ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई हाल ही में पाकिस्तान के अंदर खेबर पखनूखवा, बलूचिस्तान और कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) कैप के निरीक्षकों के खिलाफ हुई कई आतंकवादी घटनाओं के बाद की गई. सिंध पुलिस प्रमुख ने 'डॉन' को बताया कि शनिवार रात कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में पाकिस्तान सिंध रेंजर्स के प्रांतीय मुख्यालय पर हुए हमले में तीन पाकिस्तानी अर्धसैनिक बल के जवान और तीन आतंकवादी मारे गए. सिंध के इस्पेक्टर जनरल जावेद आलम ओथो ने कहा, +आतंकवादियों ने अपनी गाड़ी से मुख्य गेट को टक्कर मारी थी और शुरू में वे यह पुष्टि नहीं कर सके कि कोई



विस्फोट भी हुआ था या नहीं.

हमले में कई जवान हो गए थे घायल

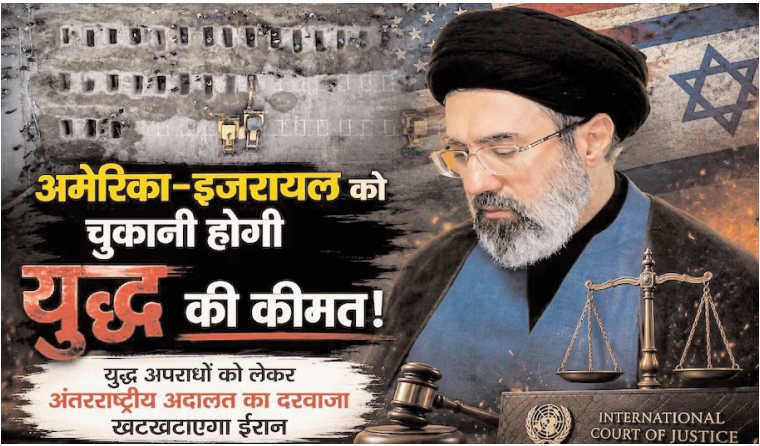
'डॉन' के मुताबिक, ओथो ने आगे कहा कि एक 'सफाई अभियान' चल रहा था और इलाके को स्पेशल सिक्वोरिटी यूनिट कमांडो, एंटी-टेरिस्ट फोर्स और रेंजर्स के जवानों ने सील कर दिया था. पुलिस सर्जन सुमैया सैयद ने डॉन को बताया कि पैर में गोली लगने के बाद एक घायल अर्धसैनिक जवान को अस्पताल लाया गया था. डॉन के मुताबिक, इससे पहले इलाके में भारी गोलीबारी थी और विस्फोट की खबर मिलने के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियां ??घटनास्थल पर पहुंचीं. पुलिस ने पूरे इलाके को सील भी कर दिया था.

अमेरिका-इज़रायल के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई; युद्ध अपराधों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अदालत जाएगा ईरान

आवाज़ ए तसनीम

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ईरान के खिलाफ किए गए अपराधों का गवं से बखान करने वाले अमेरिकी और इजरायली नेताओं की आलोचना की और संघर्ष की वजह से ईरान में हुई मौतों के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू अदालतों में कानूनी मामले चलाने का आग्रह किया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर कई पोस्ट में, जब ईरान न्यायपालिका का राष्ट्रीय सप्ताह मना रहा था, खामेनेई ने कहा, इन अपराधों के बारे में अमेरिकी और इजरायल के कुछ नेताओं की कबूलनामा और यहां तक कि बेशर्मी से की गई डींगें हांकना, ईरानियों के उन अधिकारों को बहाल करने का मार्ग प्रशस्त करती हैं जिनका उल्लंघन किया गया है.

खामेनेई ने अपने संदेश में ईरान के खिलाफ किए गए युद्ध अपराधों और मिनाब स्कूल की छात्राओं की मौत को याद किया और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय दोनों अदालतों में कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया. उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर कहा, +दूसरे और तीसरे श्रेण गए युद्धों में ईरानी राइ के प्रत्येक व्यक्ति को पहुंचाए गए शारीरिक और मनोवैज्ञानिक नुकसान, मिनाब और लामर्द में बच्चों की हत्या और युद्ध अपराधों से लेकर चिकित्सा केंद्रों पर हमलों तक, प्रत्येक एक कानूनी मामला है जिसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अदालतों में आगे बढ़ाया जाना चाहिए. नवजात शिशुओं की हत्या से लेकर हमारे प्यारे बुजुर्गों तक और सबसे बड़कर, हमारे युग के अद्वितीय रत्न, हमारे महान, मुजाहिद नेता की शहादत, ये सभी हजारों बड़े कानूनी मामलों में से एक-एक मामला है जिन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अदालतों में गंभीरता से आगे बढ़ाया जाना चाहिए.



अमेरिका ने किया युद्धविराम समझौते का उल्लंघन!

क्षेत्र में हो रही घटनाओं के बीच, ईरान के विदेश मंत्रालय ने रविवार (28 जून) की तड़के देश के दक्षिणी तट पर कई निगरानी और सर्विलांस सुविधाओं पर अमेरिकी हवाई हमलों की निंदा की. बयान में कहा गया, +ये वरूर हमले, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2, पैराग्राफ 4 का स्पष्ट उल्लंघन हैं और 18 जून, 2026 के युद्धविराम समझौते के पहले पैराग्राफ का भी खुला उल्लंघन हैं, यह दिखाते हैं कि अमेरिकी शासन अपने स्वयं के वादों को कोई महत्व या विश्वसनीयता नहीं देता है, और यह विश्वासघात इस शासन की प्रकृति का हिस्सा है.+ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को कहा कि युद्धविराम का उल्लंघन करने के जवाब में अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज ठिकानों और तटीय रबर साइटों पर हमले किए। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर उल्लंघन जारी रहा तो ईरान

इराक के ग्रीन ज़ोन में छापेमारी से मचा सियासी भूचाल, कई प्रभावशाली नेता और अधिकारी गिरफ्तार

आवाज़ ए तसनीम

इराक के स्पेशल फोर्स के जवानों ने ध्रष्ट नेताओं के खिलाफ एक बड़ी छापेमारी की, कई राजनीतिक अधिकारियों को गिरफ्तार किया. यह ऑपरेशन रविवार (28 जून) सुबह किया गया. ये गिरफ्तारियां तेल मंत्रालय के पूर्व उप-मंत्री अदनाम अल-जुमैली के बयान के आधार पर की गई, जिन्हें पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था. गिरफ्तार किए गए लोगों में संसद के वे सदस्य भी शामिल थे जिनकी कानूनी सुरक्षा (इम्युनिटी) हटा दी गई थी. इराकी स्पेशल फोर्स के जवानों ने रविवार (28 जून) की सुबह



राजधानी बगदाद के कड़े सुरक्षा घेरे वाले %ग्रीन ज़ोन% के सभी प्रवेश

द्वारों को सील कर दिया और परिसर के अंदर छापेमारी की, जहां प्रमुख

सरकारी संस्थान और विदेशी दूतावास स्थित हैं. 'कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क' (ईरान के रिपोर्ट के मुताबिक सात लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें संसद के पांच सदस्य शामिल थे. गिरफ्तार किए गए कुछ लोग पूर्व प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी के राजनीतिक गुट से थे. यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि उन पर विशिष्ट आरोप क्या थे. अल-सुदानी के गुट ने नवंबर के संसदीय चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीती थीं. पसंद के उम्मीदवार को लेकर विदेशी दूतावासों के सहयोगी शिया दलों का गठबंधन, जिसने अल-सुदानी को सत्ता में पहुंचाया था) में गतिरोध की वजह से वे आखिरकार पीछे हट गए. उनकी जगह अली अल-जैदी ने ली, जो एक व्यवसायी और राजनीति में नए हैं; वे आम सहमति वाले उम्मीदवार के रूप में उभरे और उन्हें अमेरिका का समर्थन भी प्राप्त था. इन गिरफ्तारियों का इराक के बंटे हुए राजनीतिक परिदृश्य पर व्यापक असर पड़ने की संभावना है, जहां भ्रष्टाचार के आरोप अक्सर सत्ता और प्रभाव की होड़ से जुड़े होते हैं.

यूएस के हमले का ईरान ने दिया करारा जवाब, बहरीन-कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर बरसे ड्रोन-मिसाइल



आवाज़ ए तसनीम

वेस्ट एशिया में तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है. अमेरिका और इजरायल लगातार अपने नीतियों को पूरा करने के लिए सीजफायर के बावजूद ईरान, लेबनान पर हमला कर रहे हैं. अमेरिका ने ईरान पर शनिवार (27 जून) को ताबड़तोड़ हमला किया है. इस हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए मुहंतेज जवाब दिया. ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इतवार (28 जून) को बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाया. ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्पस ने इन दोनों देशों की ओर ड्रोन और मिसाइलें दागीं. IRGC ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने अपने हमले जारी रखे तो जंग खत्म कराने के लिए चल रही सभी बातचीत पूरी तरह रुक सकती है.

होर्मुज को लेकर ईरान और अमेरिका आमने-सामने

इसी बीच फारस की खाड़ी का एट्रेस गेट माने जाने वाले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर भी नया विवाद खड़ा हो गया है. यह दुनिया का बेहद अहम समुद्री रास्ता है. जंग शुरू होने से पहले इस रास्ते से पूरी दुनिया में तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग पांचवां हिस्सा सप्लाई होता था. अमेरिकी नेवी की देखरेख वाले एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संगठन ने शनिवार को घोषणा की कि ओमान के पास स्थित इस समुद्री रास्ते में आने-जाने वाले जहाजों के लिए रास्ता और बढ़ाया जाएगा. इससे जहाजों की आवाजाही आसान होगी, लेकिन ईरान ने इसका कड़ा विरोध किया है.

‘होर्मुज पर सिर्फ तेहरान का होना चाहिए नियंत्रण’

ईरान का कहना है कि जंग के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर निगरानी और नियंत्रण सिर्फ उसी का होना चाहिए. वहीं, दुनिया के ज्यादातर देश इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता मानते हैं, जबकि यह ईरान और ओमान के समुद्री क्षेत्र के बीच मौजूद है. हाल के दिनों में अमेरिका ने भारत के दो जहाजों पर हमला किया था, जो ओमान से होकर गुजर रहे थे.

इतवार की सुबह अमेरिकी हमलों के कुछ ही समय बाद कुवैत ने बताया कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान की ओर से दागे गए ड्रोन और मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया. कुवैत में अमेरिकी सेना का एक बड़ा सैन्य अड्डा मौजूद है. हालांकि, वहां अभी तक किसी तरह के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है.

IRGC के हमले में बहरीन में बहुमंजिला इमारत तबाह

दूसरी तरफ बहरीन के गृह मंत्रालय ने बताया कि ईरानी हमले में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास मौजूद एक रिहायशी इमारत क्षतिग्रस्त हो गई. राहत की बात यह रही कि इस हमले में किसी की जान नहीं गई. मंत्रालय की ओर से जारी तस्वीरों में आठ मंजिला इमारत की ऊपरी मंजिल पूरी तरह तबाह दिखाई पड़ रही है, और वहां मलबा बिखरा था और खिड़कियों के शीशे टूट चुके थे. बहरीन में अमेरिकी नेवी के पांचवें बेड़े के हेडक्वार्टर भी मौजूद है. जंग के दौरान इस सैन्य ठिकाने पर कई बार हमले किए जा चुके हैं. हालांकि, इस बार जिस इमारत को नुकसान पहुंचा, वह नेवी हेडक्वार्टर के पास नहीं था. बहरीन के विदेश मंत्रालय ने ईरान के हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह कोई सामान्य या एक बार की घटना नहीं है, बल्कि देश की संप्रभुता और वहां रहने वाले लोगों की सुरक्षा के खिलाफ बार-बार अपनाई जा रही सोची-समझी आक्रामक नीति का हिस्सा है.

बच्चों की तस्वीरों में झलक जयपुर का इतिहास, संस्कृति और वित्तसत

दीया कुमारी बोली-गुलाबी शहर के 300 साल का जश्न जनता का उत्सव बने



जयपुर(नि.सं.)। जयपुर को एक नए नजरिए से देखने का अवसर रविवार को जवाहर कला केंद्र में मिला, जहां जयपुर की विरासत, संस्कृति और बदलते सों को पांच स्कूली विद्यार्थियों ने अपने कैमरों में अनेखे अंदाज में कैद किया। इन तस्वीरों की प्रदर्शनी में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी भी पहुंचीं। गौरागिनी आर्ट्स की ओर से आयोजित एक दिवसीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी जयपुर हमारी नजर से का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया। उन्होंने कहा कि जयपुर के 300 वर्ष पूरे होने का उत्सव केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर आमजन की भागीदारी वाला जनोत्सव बनना चाहिए। प्रदर्शनी में छात्रों की रचनात्मक सोच और फोटोग्राफी की खूब सराहना की गई। प्रदर्शनी में 17 वर्षीय कृष्णप्रिया भाटिया और उनकी सहैलियों अंतरिक्षा गुप्ता, पलक अरोड़ा, परिधि गुप्ता और तन्वी शर्मा की ओर से मोबाइल कैमरे से खींचे गए करीब 120 छायाचित्र प्रदर्शित किए गए। इन तस्वीरों में जयपुर की विरासत, संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और आधुनिक विकास को किशोर कलाकारों की दृष्टि से बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में सिटी पेलस, हवा महल, जंतर-मंतर, गढ़ गणेश मंदिर, पुरानी चौपड़, बाजारों की रौनक, मंदिरों की भव्यता के साथ-साथ स्टेच्यू सर्किल, डब्ल्यूटीपी, विधानसभा क्षेत्र और एयरपोर्ट रोड जैसे आधुनिक जयपुर की झलक भी देखने को मिली। हर तस्वीर शहर की एक अलग कहानी बयां करती नजर आई।

दो साल की मेहनत का नतीजा बनी प्रदर्शनी: प्रदर्शनी की संयोजक रागिनी ईश्वर ने बताया कि यह विचार पूरे परिवार का था। उन्होंने अपनी बेटी कृष्णप्रिया और उसके चार दोस्तों के साथ मिलकर तय किया कि वे जयपुर को अपनी नजर से लोगों के सामने पेश करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

कांग्रेस बोली-सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों की जानकारी छिपाई

सरकार ने कहा- यह दावा सही नहीं, रक्षा मंत्री का बयान गलत तरीके से दिखाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के 6 शहीद जवानों के नाम सार्वजनिक करने के बाद विवाद हो गया है। कांग्रेस ने सरकार पर शहीदों के नाम छिपाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा कहा, 'सरकार ने इन जवानों की शहादत एक साल तक सार्वजनिक नहीं की। उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।' उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए एक बयान का वीडियो X पर शेयर किया। इसमें राजनाथ सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। खेड़ा ने कहा, दो ही संभावनाएं हैं। या तो रक्षा मंत्री को उस समय छह जवानों की शहादत की जानकारी नहीं थी।

जयपुर में घूम रही प्रदूषण कम करने वाली वैन

पानी की फुहारें छोड़ती है, कीमत 55 लाख रुपए

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में एयर पॉल्यूशन को कम करने के लिए मोबाइल वैन चलाई जा रही है। यह वैन शहर के अलग-अलग हिस्सों में घूमकर प्रदूषण कंट्रोल करती है। यह वैन आखिर काम कैसे करती है? इसे कहां बनाया गया? नगर निगम के ड्यूथ गेपाल मुण्ड ने बताया- यह अत्याधुनिक वैन IIT खड़गपुर में विकसित टेक्नोलॉजी पर आधारित है। वैन को शहर के उन इलाकों में भेजा जाएगा, जहां वायु प्रदूषण का स्तर ज्यादा रहेगा। यह मशीन हवा में मौजूद प्रदूषक कणों (पॉल्यूटेड पार्टिकल्स) को निर्यात करने का काम करेगी। गोपाल मुण्ड ने बताया- वैन में खास तरह के स्पिंकलर (पानी की बूंदें फेंकने वाले यंत्र) लगाए गए हैं। इसमें आरओ का शुद्ध पानी भरा जाता है। यह पानी स्पिंकलर के जरिए बेहद महीन फुहार के रूप में हवा में छोड़ा जाता है।

2030 तक 8 लाख करोड़ के गारमेंट निर्यात का लक्ष्य:राजस्थान को मिली बड़ी जिम्मेदारी

जयपुर। केंद्र सरकार ने साल 2030 तक देश से गारमेंट एवं टेक्सटाइल निर्यात को 8 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। यह जानकारी केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की टेक्सटाइल कमेटी के सचिव कार्तिकेय ढांडा ने एसोसिएशन ऑफ गारमेंट एक्सपोर्टर्स सीतापुरा (एजिस) और वस्त्र समिति की ओर से आयोजित निर्यातकों के संवाद कार्यक्रम में दी। कार्तिकेय ढांडा ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने में राजस्थान, विशेषकर जयपुर के गारमेंट निर्यातकों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने निर्यातकों से केंद्र सरकार द्वारा 30 से अधिक देशों के साथ किए गए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। साथ ही विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक अवसरों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में वस्त्र समिति के उपनिदेशक



गोविंद प्रसाद और जे. परमेश्वरन ने निर्यातकों को सरकार की विभिन्न सुविधाओं और योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। एजिस के अध्यक्ष डॉ. दिनेश गुप्ता और महासचिव सिद्धार्थ गंध्या ने बताया कि संवाद कार्यक्रम के दौरान निर्यातकों ने रिकलड लेबर की कमी, कच्चे माल के आयात में आने वाली दिक्कतों और कस्टम से जुड़ी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने इन मुद्दों को केंद्र सरकार तक पहुंचाने और समाधान के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया।

द इन्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया' द्वारा क्षितिज कार्यक्रम आयोजित

पर्यावरण मानकों के अंकेक्षण की दिशा में भी कार्य हो:हरिभाऊ बागडे

राज्यपाल ने भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में आधुनिक विकास के लिए आगे बढ़ने का किया आह्वान



जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सीए हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आयकर और जी.एस.टी. से जुड़े नियमों की पालना कराने के साथ ही सीए प्रोफेशनल्स औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण मानकों के अंकेक्षण की दिशा में भी विशेष रूप से सजग रहें। इसी से औद्योगिक विकास के साथ जलवायु परिवर्तन के खतरे से राह बचा रहेगा। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स ऑफ आर्थिक क्रियाकलापों के सूक्ष्म अंकेक्षण के अंतर्गत राष्ट्र के राजस्व वृद्धि के लिए अधिकाधिक योगदान दें। उन्होंने कैपिटल बजटिंग, बजट पूर्वानुमान, वित्तपोषण आदि कार्यों के अंतर्गत चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स को राष्ट्र प्रथम की भावना रखते हुए कार्य करते हुए देश के विकास में अहम भूमिका निभाने का आह्वान किया। राज्यपाल बागडे बिड़ला सभागार में 'द



इन्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स ऑफ इण्डिया' द्वारा आयोजित 2047 में भारत की उत्कृष्टता के आलोक में आयोजित 'क्षितिज' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने द इन्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स ऑफ इंडिया के आदर्श वाक्य 'य ए सुसेषु जार्गित' की चर्चा करते हुए कहा कि कठोपनिषद का यह मंत्र विद्यार्थियों के जीवन का आलोक बनना चाहिए। इसका अर्थ है, जब सब सोए हुए हों तो

भी हमें जागते रहना चाहिए। उन्होंने राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर सभी को अपना योगदान देने के लिए निरंतर सजग रहने पर जोर दिया। बागडे ने सीएसआर के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और राष्ट्र विकास के कार्यों में सामाजिक सहभागिता के तहत अधिक से अधिक व्यावहारिक कार्य करवाए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि फर्म, व्यावसायिक संगठनों, कंपनियों को सीए प्रोफेशनल्स ऐसे सुझाव दें जिससे सीएसआर के तहत ऐसे अछूते क्षेत्रों में कार्य हो सके जिनकी की समाज को आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षा प्रसार के अंतर्गत, वंचितों को गुणवत्ता की शिक्षा और साधन उपलब्ध कराने, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए योगदान जैसे क्षेत्रों में सरकारी क्षेत्र के साथ निजी क्षेत्र की भी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया।

राजीव कॉलोनी में नाली एवं सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ

वासुदेव देवनानी बोले प्रत्येक वार्ड तक विकास पहुंचाना हमारी प्राथमिकता

अजमेर बन रहा आधुनिक एवं विकसित शहर



जयपुर(नि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने वार्ड संख्या 73 स्थित राजीव कॉलोनी में विधायक कोष से स्वीकृत नाली एवं सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शुभारम्भ किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आज वार्ड संख्या 73 की राजीव कॉलोनी में बालकिशन शर्मा के मकान से धनजी के मकान तक नाली एवं सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। यह दोनों विकास कार्य विधायक कोष से 10 लाख रुपए की लागत से कराए जाएंगे। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्र में जल निकासी, स्वच्छता तथा आवागमन की सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने निर्माण कार्यों का शुभारम्भ करते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से सड़क, नाली, पेयजल तथा विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की जीवनरेखा होती हैं। बेहतर सड़कें न केवल आवागमन को सुगम बनाती हैं, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक लोगों की पहुंच को भी सशक्त करती हैं। इसी प्रकार सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था से स्वच्छता में सुधार होता है तथा वर्षा जल को जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

मोमोज विक्रेता युवती झुलसने का मामला गरमाया: आरोपी कॉन्स्टेबल लाइन हाजिर, सरकार ने इलाज और पुनर्वास का किया ऐलान

मुख्यमंत्री के काफिले से पहले ठेला हटाने के दौरान हुआ था हादसा, कांग्रेस का प्रदर्शन; सरकार बोली-निष्पक्ष जांच होगी

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजधानी जयपुर के रामनगरिया थाना क्षेत्र में मोमोज बेचने वाली युवती रेशु गुप्ता के गर्म पानी से झुलसने का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई और राजनीतिक विवाद दोनों का केंद्र बन गया है। पुलिस विभाग ने घटना के आरोपी बताए जा रहे कॉन्स्टेबल नरेंद्र को लाइन हाजिर कर विभागीय जांच शुरू कर दी है। वहीं राज्य सरकार ने पीड़िता के इलाज का पूरा खर्च उठाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा परिवार के पुनर्वास के लिए डेयरी बूथ आवंटित करने की घोषणा की है। दूसरी ओर कांग्रेस ने इस घटना को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। घटना 19 जून की शाम करीब पौने सात बजे जगतपुरा के महल रोड पर हुई। उस समय मुख्यमंत्री के प्रस्तावित काफिले के गुजरने से पहले पुलिस सड़क किनारे लगे ठेले हटवा रही थी। 22 जून को पीड़िता रेशु गुप्ता की बड़ी बहन खुशबू गुप्ता ने रामनगरिया थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी ने जबर्न मोमोज की कार्ट को धक्का देकर पलट दिया, जिससे बर्तन में रखा खौलता पानी रेशु के ऊपर गिर गया और वह गंभीर रूप से झुलस गईं। पीड़िता के अनुसार हादसे में उसके कंधे, सीने, जांघ और शरीर के कई हिस्से बुरी तरह झुलस गए। रेशु ने बताया कि पिता लाल बहादुर गुप्ता का कोरोना काल में निधन हो गया था। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उसी और उसकी बड़ी



बहन पर है। बीएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर करीब 25 दिन पहले ही %हल्दी आटा मोमोज% नाम से कार्ट शुरू की थी, जिससे पूरे परिवार का खर्च चल रहा था। उसने कहा कि इस हादसे ने उसके भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि मुख्यमंत्री के काफिले के महेनजर ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए सड़क किनारे लगे ठेले हटवाए जा रहे थे। पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर तथ्य जुटाए जा रहे हैं। विभागीय कार्रवाई के तहत संबंधित कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया गया है। राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता के इलाज का पूरा खर्च वहन करने का निर्णय लिया है। साथ ही आर्थिक सहायता देने और परिवार के स्थायी पुनर्वास के लिए डेयरी बूथ आवंटित करने की प्रक्रिया भी शुरू करने की घोषणा की गई है। नगर निगम जयपुर ग्रेटर के आयुक्त ओम कसेरा और उपायुक्त नीलम

मीना ने प्रतापनगर स्थित पीड़िता के घर पहुंचकर परिवार से मुलाकात की तथा सरकार की ओर से हर्षसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस बीच मामला राजनीतिक रूप से भी गरमा गया है। शनिवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जयपुर कलेक्ट्रेट सर्किल पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात कर्मियों की लापरवाही के कारण यह घटना हुई और पीड़िता को समय पर राहत नहीं मिली। कांग्रेस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, उचित मुआवजा और बेहतर इलाज की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

उधर सरकार का कहना है कि मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निष्पक्ष जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल विभागीय जांच जारी है और उसकी रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य बिंदु

- 19 जून को महल रोड पर हुई थी घटना।



- 22 जून को पीड़िता की बहन ने दर्ज कराई एफआईआर।
- आरोपी बताए जा रहे कॉन्स्टेबल नरेंद्र को लाइन हाजिर किया गया।
- सरकार उठाएगी इलाज का पूरा खर्च।

- आर्थिक सहायता और डेयरी बूथ आवंटित करने की घोषणा।
- कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप।
- पुलिस और विभागीय जांच जारी।

राजस्थान रिफाइनरी

राजस्थान रिफाइनरी से खुल रहे निवेश और रोजगार के नये द्वार

एचपीसीएल प्रथम चरण में राजभर में 300 से ज्यादा नये पेट्रोल पंप खोलेगा, राज्य सरकार देगी लीज पर जमीन

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक लेकर एचपीसीएल और एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के अधिकारियों के साथ चर्चा कर सरकारी भूमि को लीज देकर 300 से ज्यादा स्थानों पर पेट्रोल पंप लगाने के मामले में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि राजस्थान रिफाइनरी राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 80 हजार करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट से राज्य में नये निवेश, उद्योग और रोजगार संवर्धन को बढ़ा बूट मिलेगा।



इस योजना के तहत 304 स्थानों की पहचान की जा चुकी है। इन नए रिटेल आउटलेट्स की स्थापना के लिए एचपीसीएल लगभग 400 करोड़ का निवेश करेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 31 जुलाई तक इस संबंध में एक नई नीति तैयार की जाएगी,

जिसके तहत सरकारी भूमि एचपीसीएल को लीज (पट्टे) पर उपलब्ध कराई जाएगी ताकि नए पेट्रोल पंप स्थापित किए जा सकें। इसके अलावा एचपीसीएल और एचआरआरएल ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि आरटीपीी अधिनियम के तहत सरकारी विभागों द्वारा इंधन खरीद में उन्हें प्रेफरेंशियल सप्लायर का दर्जा दिया जाए। इसका उद्देश्य राजस्थान में स्थित एचआरआरएल रिफाइनरी की क्षमता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है। बैठक में राज्य सरकार ने एचपीसीएल और एचआरआरएल के साथ

मिलकर इन सभी पहलों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। हाईब्रिड मोड पर हुई इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (खान) श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) श्री भास्कर ए. सावंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) श्री कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव (यूडीएच) श्री आलोक गुप्ता, प्रमुख सचिव (वित्त) श्री वैभव गलारिया, प्रमुख सचिव (राजस्व) श्री टी. रविकांत, एचपीसीएल के विपणन निदेशक श्री अमित गर्ग सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।